दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 09 सितंबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 260 पेज-08 | ● RNI NO. DELHI/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

SESCSM LAW COLLEGE
GRADUATION MARKS: GENERAL 45% SC/ST 40%
Approved by Bar Coucil of Indi | Affiliated to Maa Shakkumbhari University
Formerly Affiliated to CSS University Meerut
Compus: Bhangela, khatauli,Meerut-Muzaffarnagar NH-58 (Delhi NCR)
☎ 9992698926, 9219603334
ADMISSION OPEN
LL.B (3 YEARS)

मंत्रियों से मिला महज आश्वासन, हाउस टैक्स कम कराने लखनऊ पहुँचे गाजियाबाद के पार्षद

लखनऊ, करंट क्राइम। गाज़ियाबाद नगर निगम में बढ़े हाउस टैक्स के खिलाफ लगातार आवाज उठाने वाले पार्षद सोमवार को राजधानी लखनऊ पहुँचे। पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा और जिला प्रभारी मंत्री असीम अरुण से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने पार्षदों को समस्या के समाधान का भरोसा तो दिलाया, लेकिन कोई ठोस घोषणा सामने नहीं आई।

पार्षदों ने मंत्रियों को बताया कि नगर निगम की तीन अलग-अलग बोर्ड बैठकों (9 अक्टूबर 2024, 7 मार्च 2025 और 30 जून 2025) में सर्वसम्मति से बढ़े हाउस टैक्स का प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया था। इसके

बावजूद 1 अप्रैल से नगर निगम के पोर्टल पर बढ़ा हुआ टैक्स दिखना शुरू हो गया और कई संपत्ति स्वामियों ने अज्ञानता में जमा भी कर दिया। शहर में व्यापार मंडल, आरडब्ल्यूए और स्थानीय निवासी बढ़ोतरी का विरोध कर रहे हैं। पार्षदों का कहना है कि जनता अब सड़क पर उतर रही है और वे लगातार लोगों को समझाकर शांत कर रहे हैं।

लखनऊ में डटे पार्षद बस आश्वासन के भरोसे

करंट क्राइम। लखनऊ जाकर पार्षदों ने जनता की आवाज सरकार तक जरूर पहुँचाई, लेकिन अब तक उन्हें सिर्फ.आश्वासन ही मिला है। जाहिर है, यह आंदोलन अभी लंबा खिंच सकता है।

ये पार्षद उठा रहे है हाउस टैक्स के खिलाफ आवाज

करंट क्राइम। गाज़ियाबाद से लखनऊ पहुँचे दल में शामिल पार्षद गौरव सोलंकी, हिमांशु शर्मा, नीरज गोयल, ओमप्रकाश ओढ़, देव नारायण शर्मा, शिवम शर्मा, कन्हैया लाल, भूपेंद्र कुमार, संतोष सिंह राणा, पूर्व पार्षद मो. जाकिर अली सैफी और डॉ. पवन गौतमं (पार्षद पति) ने जनता के साथ खड़े होकर टैक्स के विरोध की लड़ाई को आगे बढ़ाया है।

लखनऊ में पार्षदों का डेरा — क्या असर दिखेगा?

करंट क्राइम। राजधानी जाकर आंदोलन की आवाज बुलंद करना निश्चय ही एक राजनीतिक दबाव का संकेत है। लेकिन जब तक सरकार की ओर से कोई ठोस आदेश जारी नहीं होता, तब तक लखनऊ का यह डेरा महज प्रतीकात्मक ही माना जाएगा। अब सबकी नजर इस पर है कि सरकार कब तक और क्या कदम उठाती है। ये फिर हाउस टैक्स के खिलाफ क्रांति कर रहे इन सब पार्षदों को आश्वासन के भरोसे के साथ खाली हाथ ही वापस गाजियाबाद लौटना पड़ेगा।

सेवा और भाजपा एक-दूसरे के पूरक हैं: पंकज सिंह

गाजियाबाद/लोनी। लोनी के कारवां बैंक्वेट हॉल में भाजपा द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा अभियान जिला कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह और विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अभियान सह-संयोजक गजेंद्र मावी ने कार्यकताओं को संबोधित किया।

कार्यक्रम से पहले गढ़ी कटैया अंडरपास पर पंकज सिंह का भाजपा नेताओं और सभासदों ने पुष्पवर्षा कर और तलवार भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने लोनी की राजनीति पर बोलते हुए कहा कि पहले कुछ लोग मानते थे कि दबंगई के कारण लोनी में भाजपा नहीं जीत सकती, लेकिन यहां के फायर ब्रांड विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने उन्हें उन्हीं क ी

विस्तृत खबर, पृष्ठ 6

भाजपा का कौन सा विधायक ढूंढ रहा है डेल्टा कॉलोनी में मकान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो मकान की ख्वाहिश इस गाजियाबाद में सबको रहती है, लेकिन जो सियासत से जुड़े लोग हैं उनके पास मकान की च्वॉइस चुनावी क्षेत्र से जुड़कर चलती है। जिस एरिये में चुनाव लड़ना है या चुनाव लड़ने की हरसत है आशियाने की तलाश वाली कसरत भी वहीं शुरू होती है। लोकसभा चुनाव की दावेदारी की चर्चा चली थी और बताते हैं कि अरुण सिंह ने राजनगर में कहीं मकान देख लिया था। मकान की बात ये है कि चुनावी दावेदारी में अजय शर्मा ने एंट्री ली और मकान उन्होंने साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में किराये पर ले लिया था। जनरल वीके सिंह ने तो राजनगर में खुद का मकान ही खरीद लिया।

दरअसल आवास का और चुनाव का कनेक्शन आपस में जुड़ा है। जब चुनाव पास होते हैं तो निवास तलाशे जाने लगते हैं। आवास की खोज होने लगती है, पैराशूट एंट्री होती हैं तो सभी सावधान रहते हैं। साहिबाबाद एक ऐसी विधानसभा है जहां हर बार पैराशूट एंट्री की बात चलती है। कभी ठाकुर चेहरे की बात चलती है तो कभी ईडी वाले साहब की बात चलती है। ये तो हैवीवेट वालों का दांव ऐसा मानों जैसे अंगद का पांव। आए बहुत, लेकिन कोई हिला नहीं पाया और जैसा कमल उन्होंने यहां पूरे देश में खिलाया वैसा कोई खिला भी नहीं पाया। लेकिन प्लानिंग का अधिकार सबका है और खुद सुनील शर्मा राजनगर सेक्टर-10 में रहते रहे हैं। फिलहाल चुनाव नजदीक है और चुनाव से पहले अगर आवास वाली बात बन जाती है तो संदेश मजबूत जाता है।

कैंडीडेट वही स्मार्ट समझा जाता है जो पहले अपना पता उसी विधानसभा का देता है जिस विधानसभा से वो टिकट मांग रहा होता है। कभी सच्चिदानंद भी टिकट मांग रहे थे तो उन्होंने भी वसुंधरा में अपना ठिकाना बनाया था। संजीव शर्मा ने शहर विधानसभा वाला चुनाव लड़ने से पहले ही लाइनपार के प्रताप विहार में आशियाना बनाया। अब चुनाव की तैयारी चल रही है तो बताते हैं कि एक विधायक इन दिनों पूरे जोर शोर से डेल्टा कॉलोनी में मकान तलाश रहे हैं। वो शायद खुद को अब स्थानीय साबित करने की कवायद में हैं। सूत्र बताते हैं कि विधायक जी ने विधानसभा में कदम रख दिये हैं और उनके कदमों की लोकेश डेल्टा कॉलोनी की आ रही है। अब विधायक जी इस पार के हैं या उस पार के हैं या फिर गाजियाबाद के नक्शे से बाहर के हैं। लेकिन मकान वो तलाश रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि विधायक जी कई प्रोपर्टी डीलरों से मिल चुके हैं। वो कई स्थानों पर विजिट कर रहे हैं। आवास की तलाश है और विधायक जी चाहते हैं कि भले ही थ्री बीएचके का आवास मिल जाए वो भी चलेगा। कोठी खरीदना का भी प्लान है, लेकिन लोकेशन उन्हें डेल्टा वाली ही चाहिए। विधायक जी अगर मकान तलाश रहे हैं तो निश्चित रूप से कोई ना कोई प्लान चल रहा है।

18 करोड़ में यूपी गेट एंट्री सहित गाजियाबाद के प्रमुख चौराहों का होगा सौंदर्यकरण

पहले चरण में चयनित स्थान

- यूपी गेट एंट्री
- तीगड़ी गोल चक्कर चौराहा
- हिंडन एलिवेटेड चौराहा
- अन्य प्रमुख 5-6 स्थान (जिन्हें एक्सपर्ट आर्किटेक्ट द्वारा चिन्हित किया गया है।

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम गाजियाबाद शहर की स्वच्छता और सुंदरता पर विशेष ध्यान दे रहा है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में शहर को नया स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग को योजना पर कार्यवाही की हरी झंडी दे दी है।

अवस्थापना निधि से लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से गाजियाबाद के प्रमुख स्थानों और चौराहों का सौंदर्यकरण किया जाएगा। इसमें यूपी गेट एंट्री को विशेष रूप से शामिल किया गया है। यहां आने वाले आगंतुकों का स्वागत एक भव्य गेट से होगा, जो शहर का आकर्षण बनेगा।

महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि गाजियाबाद को ग्रेटर गाजियाबाद की दिशा में विकसित करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता के साथ-साथ सुंदरता पर भी जोर दिया जाएगा। चौराहों पर भव्य आकृतियाँ स्थापित होंगी, जो शहर को नई पहचान देंगी। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि आकृतियों के सैंपल डिजाइन तैयार हो रहे हैं और प्रमुख चौराहों का चिन्हांकन पूरा होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

भू-माफियाओं पर विधायक नंदकिशोर गुर्जर का कड़ा वार, कर डाली एनकाउंटर की मांग

गाजियाबाद/लोनी। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भू-माफियाओं के खिलाफ सख़्त रुख अपनाते हुए ट्रॉनिक सिटी थाना प्रभारी को पत्र लिखकर दोषियों के एनकाउंटर तक की मांग कर डाली है। उन्होंने कहा कि लोनी क्षेत्र में जमीन कब्जाने और खरीद-फरोख्त में ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और गरीब हिंदू परिवारों को खासतौर पर निशाना बनाया जा रहा है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने इस पत्र की प्रतिलिपि पुलिस आयुक्त को भी भेजी है और कहा है कि अब समय आ गया है कि भू-माफियाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाए।

विधायक का आरोप: पुलिस-भू-माफिया गठजोड़

करंट क्राइम। गुर्जर ने आरोप लगाया कि भू-माफियाओं और पुलिस की मिलीभगत संदेह के घेरे में है। एसीपी ऑफिस के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है। विधायक ने कहा कि शिकायतकताओं की फरियाद पर गंभीरता से कार्यवाही नहीं होना इस मिलीभगत की पुष्टि करता है। सोशल मीडिया और एजेंटों के जरिए भोले-भाले लोगों को झांसा देकर दिल्ली-एनसीआर और लोनी में जमीन दिलाने के नाम पर ठगी की जाती है। शिकायतें लगातार विधायक के जनता दरबार में पहुँच रही थीं, जिसके बाद उन्होंने कठोर कदम उठाया।

कमिश्नरेट में जनवरी से अब तक 75 पर लगा गुंडा एक्ट
54 को लगानी पड़ रही है थानों में हाजिरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस लगातार बड़ी कार्रवाई कर रही है। बीते सप्ताह 4 सितंबर को न्यायालय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, गाजियाबाद में सुनवाई के उपरांत उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत 10 शातिर अपराधियों को गुंडा घोषित कर छह माह के लिए जिला बदर कर दिया गया। इन सभी अपराधियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, झपटमारी, धोखाधड़ी, बलवा, अपहरण, अवैध हथियार रखना, एनडीपीएस एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और पशु क्रूरता अधिनियम जैसे मामलों में ये आरोपी कई बार जेल जा चुके हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई के बाद पुलिस प्रशासन को भरोसा है कि आमजन को राहत मिलेगी और शहर में अपराध का स्तर घटेगा।

जिला बदर किए गए अपराधी

1. नीरज कौशिक थाना कविनगर
2. मानस – थाना नंदग्राम
3. रंजीत उर्फ भोला – थाना नंदग्राम
4. आरताब उर्फ गुड्डू – थाना लोनी
5. रहबर – थाना साहिबाबाद
6. पंकु उर्फ पंकु चौधरी – थाना मोदीनगर
7. राहुल कुमार गोला उर्फ गुज्जी – थाना इंदिरापुरम
8. अकबर – थाना इंदिरापुरम
9. शहजाद छोलमसिया – थाना मसूरी
10. अन्य – विभिन्न थानों से दर्ज मामलों में शामिल

अब तक 75 पर की गई है कार्रवाई

करंट क्राइम : जनवरी 2025 से अब तक कुल 75 अपराधियों को जिला बदर किया गया। 54 अपराधियों को संबंधित थानों में नियमित हाजिरी देनी पड़ रही है।

एडिशनल सीपी केशव चौधरी बोले अपराधियों पर सख्ती जारी रहेगी

करंट क्राइम : अतिरिक्त पुलिस आयुक्त केशव चौधरी ने कहा कि गुंडा एक्ट में जिला बदर की यह कार्रवाई जनता को भयमुक्त माहौल दिलाने के लिए की जा रही है। अपराधियों का आतंक खत्म करने और गाजियाबाद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीआरएस-बीजेडी का बड़ा ऐलान

मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे दोनों दल

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव बीआरएस और बीजू जनता दल ने चौंकाने वाला एलान किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कहा कि उनकी पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। इसी तरह बीजद ने भी ऐसी ही घोषणा की है।

कल देश के नए उपराष्ट्रपति के नाम का ऐलान हो जाएगा। इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सी. पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। इस बीच, दो राजनैतिक दलों ने कल होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का एलान किया है। इन दलों में बीआरएस और बीजू जनता दल शामिल हैं। बता दें कि जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था, जिस कारण रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए मध्यावधि चुनाव कराया जा रहा है। अब कल यानी नौ सितंबर को यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

बीजद उपराष्ट्रपति पद के मतदान में शामिल नहीं उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से ठीक एक दिन पहले बीआरएस और बीजू जनता दल ने चौंकाने वाला एलान किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने कहा कि उनकी पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। इसी तरह बीजद ने भी ऐसी ही घोषणा की है। बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने फैसला किया है कि पार्टी के सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूर रहेंगे। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) के सदस्यों और सांसदों से परामर्श के बाद यह फैसला लिया है। पात्रा ने कहा कि हमारा पूरा ध्यान राज्य और उसके 4.5 करोड़ लोगों के विकास पर है। एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी जीत लगभग तय उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर संसद में सांसदों की संख्या को देखें तो एनडीए के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को बहुमत मिलने के स्पष्ट संकेत हैं। वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 781 है और सात सीटें रिक्त हैं, जिनमें शिबू सोरेन का नाम भी शामिल है, जिनका मतदाता सूची तैयार होने के बाद निधन हो गया था।

बीआरएस भी उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी

वहीं, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहेगी। तेलंगाना के किसानों में यूरिया की कमी को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों पर आरोप लगाते हुए रामाराव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही इस कमी के मुद्दे को सुलझाने में फेल रही हैं।

बीआरएस नेता ने कहा कि यूरिया की कमी इतनी ज्यादा है कि कतारों में इंतजार करते हुए किसानों के बीच हाथापाई हो रही है। ऐसे में हम मतदान से दूर रहेंगे। हम इसमें हिस्सा नहीं लेंगे। आगे उन्होंने कहा कि अगर उपराष्ट्रपति चुनाव में नोटा का विकल्प उपलब्ध होता, तो बीआरएस इसका इस्तेमाल कर सकती थी।

इन दलों ने अभी तक साफ नहीं की है स्थिति

उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के बीच सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष के इंडिया गठबंधन दोनों के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। यह एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच एक तरह से शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। बीजद और बीआरएस के चुनाव से हटने के बाद भी अभी तक अकाली दल, जेडपीएम और वीओटीटीपी के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय सांसदों ने अभी तक अपनी पसंद का स्पष्ट संकेत नहीं दिया है।

राधाकृष्णन बनाम सुदर्शन रेड्डी का मुकाबला

इस बार उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के वरिष्ठ नेता सीपी राधाकृष्णन और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। राधाकृष्णन भाजपा संगठन के वफादार और विश्वसनीय चेहरे माने जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, सुदर्शन रेड्डी न्यायपालिका में अपनी ईमानदार और निष्पक्ष छवि के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में उपराष्ट्रपति पद का यह चुनाव राजनीति बनाम न्यायपालिका के बीच भी देखा जा रहा है।

भाजपा में फिर शुरू हुई टिफिन बैठकें प्रधानमंत्री ने सांसदों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा की ओर से आयोजित कार्यशाला के एक विशेष प्रशिक्षण सत्र में प्रधानमंत्री ने पार्टी के सभी सांसदों को अपने-अपने क्षेत्र में टिफिन बैठक आयोजित करने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यशाला में भाजपा सांसदों के साथ पूरा दिन बिताया। इस दौरान उन्होंने जीएसटी सुधारों की प्रशंसा की और एक प्रस्ताव भी पास किया गया। जानकारी के मुताबिक जीएसटी में हुए ऐतिहासिक सुधारों को लेकर भाजपा पूरे देश में एक अभियान की शुरूआत करेगी और जनता को इसके फायदे के बारे में बताएगी।

कार्यशाला के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा सांसदों से कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा करें और एक बार टिफिन बैठक भी करें। इससे आप लोग सीधे जनता से संवाद कर सकेंगे और उनकी समस्याएं भी सुनी जाएंगी। इससे उनका जल्दी से जल्दी समाधान भी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की अनौपचारिक बातचीत से न केवल सांसद स्थानीय भावनाओं से जुड़े रहेंगे, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के सार्वजनिक जीवन से ह्यगायबह्व रहने की आम धारणा को दूर करने में भी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के कामकाज और नीतियों को लेकर जागरुकता फैलाने का आह्वान किया, खासकर ग्रामीण इलाकों में। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में संसदीय स्थायी समितियों पर छोटे समूहों में चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीति निर्माण और शासन की निगरानी में स्थायी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सांसदों से समितियों की रिपोर्टों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने और उनके कार्यों को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने गलतफहमी से बचने और समन्वय में सुधार के लिए स्थायी समिति की चर्चाओं से पहले और बाद में मंत्रियों से मिलने के महत्व पर भी जोर दिया। सांसदों को लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे दस्तावेजों और रिपोर्टों का विस्तार से अध्ययन करके चर्चाओं की पूरी तैयारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि नए विचार और अच्छी तरह से शोध किए गए हस्तक्षेप लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह संसाधनों का नहीं, बल्कि प्रयास और मानसिकता का मामला है। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की अलग-अलग चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सांसदों को स्वच्छता बनाए रखने में मिसाल कायम करनी चाहिए। जिसका समापन प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के एक और दौर के साथ होगा।

गाजियाबाद में 9-10 सितम्बर को चलेगा 'समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047' अभियान

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक समृद्ध और विकसित राज्य बनाने के विजन डॉक्यूमेंट की तैयारी के लिए पूरे प्रदेश में जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गाजियाबाद जिले में 9 और 10 सितम्बर को प्रबुद्धजनों का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम आयोजित होगा।

अभियान का नाम 'समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047' रखा गया है। इस दौरान प्रबुद्धजन जिले में छात्रों, शिक्षकों, व्यापारियों, उद्यमियों, किसानों, श्रमिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों से संवाद करेंगे। उद्देश्य है कि लोग विगत 8 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा से अवगत हों और भविष्य के रोडमैप पर अपने सुझाव दे सकें। प्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट तीन थीम-अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति-पर आधारित होगा। इसमें कृषि, औद्योगिक विकास, आईटी, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुशासन समेत 12 सेक्टरों पर फोकस किया जाएगा। जिले में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान नोडल अधिकारी नरेन्द्र भूषण, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं प्राविधिक शिक्षा भी मौजूद रहेंगे और जिले के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है।

सभी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। गाजियाबाद जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। यह सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रदेश के भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। आपके सुझाव ही 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश की नींव बनेंगे।

गाजियाबाद में सूखा तोड़ने की तैयारी सपा का टारगेट अब मतदाता सूची पर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) की तैयारी शुरू होते ही समाजवादी पार्टी ने अपने संगठन को सक्रिय कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पदाधिकारियों और कार्यकताओं को साफ निर्देश दिए हैं कि अब वक्त दस्तावेज जुटाने का नहीं बल्कि वोटर और वोट दोनों को सुरक्षित करने का है। गाज़ियाबाद जैसे घनी आबादी वाले और राजनीतिक रूप से जटिल जिले में यह अभियान पार्टी के लिए सीधा टारगेट है। हर विधानसभा क्षेत्र के बूथ स्तर पर कार्यकताओं को कहा गया है कि पार्टी समर्थक मतदाताओं, कार्यकताओं और शुभचिंतकों से वैध दस्तावेज समय रहते एकत्र कर लिए जाएँ, ताकि विशेष पुनरीक्षण के दौरान उनका नाम हर हाल में मतदाता सूची में दर्ज हो।

गाज़ियाबाद में सपा के लिए यह और भी अहम इसलिए हो जाता है क्योंकि लंबे समय से यहाँ पार्टी को विधायक, मेयर और सांसद चुनावों में सूखा झेलना पड़ रहा है। लगातार पराजय के बाद संगठन समझ चुका है कि जीत की पहली शर्त मतदाता सूची पर पकड़ है। यही कारण है कि अब सपा नेतृत्व वोटर पहचान पक्का करने, बूथवार मतदाता सूची पर नजर रखने और समर्थक वोटरों को हर हाल में लिस्ट में बनाए रखने पर जोर दे रहा है।

पार्टी के अंदर साफ माना जा रहा है कि गाज़ियाबाद जैसे जिलों में संगठन की मेहनत तभी रंग लाएगी जब एक-एक वोटर का नाम सूची में सुनिश्चित होगा। यही वजह है कि प्रदेश अध्यक्ष के ये निर्देश यहाँ की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम हो जाते हैं।

दिल्ली में वकीलों ने हड़ताल ली वापस

नोटिफिकेशन जारी होने के बाद को ऑर्डिनेशन कमिटी ने लिया फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की ओर से सर्कुलर जारी होने के बाद वकीलों ने हड़ताल वापस ले ली है। ऑर्डिनेशन कमिटी ने हड़ताल वापस लेने का फैसाल लिया है। दिल्ली की जिला अदालत में वकीलों द्वारा बुलाई गई हड़ताल को वापस लिया गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ऑफिस से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद को ऑर्डिनेशन कमिटी ने फैसला लिया है। दिल्ली पुलिस ने वकीलों की हड़ताल को देखते हुए एक सर्कुलर जारी किया है।

सर्कुलर में कहा गया है कि सभी पुलिस अधिकारियों को अदालतों में सबूत देने के लिए शारीरिक रूप से यानी फिजिकल मोड में उपस्थित होना होगा। यह कदम वकीलों के विरोध के बाद उठाया गया, जो दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर के नोटिफिकेशन के खिलाफ था। उस नोटिफिकेशन में पुलिस स्टेशनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होना था।

पुलिस के नोटिफिकेशन जारी होने से पहले नई दिल्ली बार एसोसिएशन (एनडीबीए) के पत्र में कहा गया था कि पुलिस द्वारा थानों से अदालतों में वर्चुअल तरीके से साक्ष्य प्रस्तुत करने के मुद्दे पर शनिवार को समिति की एक बैठक हुई। पत्र में कहा गया था कि हम अपनी मांग पर अड़े हैं और दोहराते हैं कि पुलिसकर्मियों को गवाही व साक्ष्य के लिए अदालतों में केवल प्रत्यक्ष रूप से ही उपस्थित होना होगा। एनडीबीए के सचिव तरुण राणा ने कहा कि शनिवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का एक पत्र मिला, जो दिल्ली के सभी जिला अदालत बार संघों के अध्यक्षों और सचिवों को संबोधित है, जिसमें उनसे चल रहे आंदोलन को वापस लेने का अनुरोध किया गया।

'आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र नागरिकता के लिए नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सोमवार को बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- आधार को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार करे चुनाव आयोग चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है ताकि आधार कार्ड को स्वीकार किया जा सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। 'चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जानने का अधिकार' चुनाव आयोग को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग को आधार कार्ड की वैधता जांचने का पूरा अधिकार होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी, जाली दस्तावेजों के आधार पर असली होने का दावा करने वालों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाए।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे।' सुप्रीम कोर्ट ने किया साफ- 'आधार कार्ड नागरिकता का सबूत नहीं' चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने सबमिशन दिया कि आधार कार्ड को नागरिकता के सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

राजद ने लगाए ये आरोप

राजद और अन्य याचिकाकताओं ने मांग की थी कि आधार कार्ड दिखाने पर लोगों को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। इन याचिकाओं पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आदेश जारी किया। राजद की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद बूथ लेवल अधिकारी आधार कार्ड को स्वीकार नहीं कर रहे थे। सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने अधिकारियों को इस बारे में निर्देश जारी नहीं किए।

चुनाव आयोग ने इन दस्तावेजों को दी मान्यता

- केंद्र, राज्य सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत कर्मियों के पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश।
- एक जुलाई 1987 के पूर्व सरकारी, स्थानीय प्राधिकार, बैंक, पोस्टऑफिस, एलआईसी एवं पब्लिक सेक्टर उपक्रमों से जारी आईकार्ड, दस्तावेज।
- सक्षम प्राधिकार से जारी जन्म प्रमाणपत्र।
- पासपोर्ट।
- मान्यता प्राप्त बोर्ड, विश्वविद्यालय से जारी मैट्रिक व अन्य शैक्षिक प्रमाणपत्र।
- स्थायी आवासीय प्रमाणपत्र।
- वन अधिकार प्रमाणपत्र।
- सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी जाति प्रमाणपत्र।
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां उपलब्ध हो)।
- राज्य/स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर।
- सरकार का कोई भूमि/मकान आवंटन प्रमाणपत्र।

मथुरा-वृंदावन में यमुना मचा रही तबाही...

बांके बिहारी मंदिर मार्ग हुआ जलमग्न, अयोध्या नगर में गिर गया मकान

मथुरा। मथुरा-वृंदावन में यमुना ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है। बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर यमुना का पानी पहुंच गया है। वहीं अयोध्या नगर में जलभराव से एक मकान गिर गया, जिसमें परिवार के सदस्य बाल-बाल बच गए।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से मथुरा और वृंदावन में घर डूबते जा रहे हैं। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर मार्ग पर पानी पहुंच गया है। वहीं मथुरा के अयोध्या नगर में हुए जलभराव से एक मकान गिर गया। गनीमत ये रही कि इस हादसे में परिवार के लोग बाल-बाल बच गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बांकेबिहारी मंदिर जाने वाले मार्ग में भी यमुना का पानी पहुंच गया है। दाऊजी तिराहे तक सड़कें जलमग्न हो गई हैं। इस वजह से यहां के दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं मथुरा के लक्ष्मी नगर के अयोध्या नगर में रविवार को बाढ़ का पानी भरने से एक मकान गिर गया। घर में मौजूद लोगों ने जैसे-तैसे भाग कर अपनी जान बचाई। पीड़ित का कहना है कि रविवार रात को उनके मकान के चारों ओर पानी भर गया। इसके बाद उनके मकान की दीवार दरकने लगीं और फर्श भी धंसने लगे। फिर थोड़ी देर बाद मकान के पिछले हिस्से की दीवार गिर गई और दोनों कमरे धराशायी हो गए।

एक मंजिल तक भरा पानी

लक्ष्मी नगर के ईसापुर में एक मंजिल तक पानी भरने के बाद बाढ़ प्रभावित लोग रेलवे ट्रैक को पार करके सुरक्षित स्थान पर जा रहे हैं।

सोमवार दोपहर 1:00 बजे दर्जनों लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे थे, इसी दौरान हाथरस की तरफ से तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। लोगों ने जैसे तैसे रेलवे ट्रैक से भाग कर अपनी अपनी जान बचाई। वहीं रेलवे ट्रैक के पास एसडीएम महावन कुर्सी पर बैठी रहीं। उन्होंने न लोगों को रोका और न ही खुद वहां से हटीं। लोगों ने तेज आवाज से चिल्लाना शुरू किया, इसके बाद सब तितर बितर हुए।

नोएडा में कुछ इस तरह नजर आया चंद्रग्रहण के समय चांद, लोगों ने देखा अद्भुत नजारा

नोएडा। करंट क्राइम, रविवार की रात साल का सबसे लंबा और आखिरी चंद्रग्रहण देखा गया, जो कि रात 9:57 बजे शुरू हुआ और 1:26 बजे तक रहा। इस दौरान कई लोग अपने घरों की छतों, बालकनियों और खुले स्थानों पर इस खगोलीय घटना को देखा।

नोएडा, पटना में बादलों के बीच से चंद्रमा का लाल-नारंगी रंग दिखा। कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक लोगों की निगाहें दुर्लभ पूर्ण चंद्र ग्रहण देखने के लिए आसमान की ओर टिकी रहीं। दिल्ली, नोएडा, वाराणसी, मुंबई, कोलकाता और अन्य शहरों में इस नजारे को देखा गया।

खगोल शास्त्रियों का कहना है कि यह ग्रहण 2025 का आखिरी चंद्रग्रहण था। सोशल मीडिया पर भी चंद्रग्रहण की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। हालांकि देश के कुछ हिस्सों में मानसूनी बारिश के बीच चंद्रमा बादलों से घिरे आसमान में लुका-छिपी खेलता नजर आया। भारतीय मान्यताओं के अनुसार, चंद्रग्रहण सूर्य और चंद्रमा के बीच राहु के आने से होता है।

इस खगोलीय घटना को लेकर लोगों में उत्साह और आध्यात्मिक श्रद्धा का माहौल देखा गया। नोएडा में बादलों के बीच से चंद्रमा का लाल-नारंगी रंग देखने को मिला।

धार्मिक नगरी वाराणसी में चंद्रग्रहण के दौरान दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालुओं का भारी हुजूम उमड़ा। हजारों श्रद्धालु गंगा के पवित्र तट पर स्नान और पूजा-अर्चना करने पहुंचे, श्रद्धालुओं ने ग्रहण शुरू होने से पहले ही घाटों पर डेरा डाल लिया था।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। मंगलवार 09 सितंबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

बारिश के गड्ढों में खो गई 1f´ feÀfeOf की सड़क

दो मिनट का रास्ता तय करने में लग रहे हैं पूरे 45 मिनट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री ने गड्ढा मुक्त सड़क का अभियान चलाया। उन्होंने अधिकारियों को अल्टीमेटम दिया कि गड्ढों का नजर आना अधिकारियों के लिये ठीक नहीं है। निगम की मुखिया मेयर ने कहा कि अगर कहीं भी गड्ढा हों तो मुझे बताएं। लेकिन इसी बीच बरसात आ गई और अब गड्ढे का तो तब बताएं जब गड्ढे गिने जाएं। एक किलो मीटर की सड़क में 250 गड्ढे हैं। अब कहां तक कोई गिनेगा और कहां तक कोई भरेगा। निगम वाले साफ कह चुके हैं कि बारिश के बाद के आठ करोड़ से ये गड्ढे भरे जाएंगे, लेकिन फिलहाल देश की सबसे बड़ी विधानसभा के सबसे पॉश इलाके में आलम ये है कि दो निमट का रास्ता 45मिनट में पार हो रहा है। गड्ढों की ये हालत है कि कहीं टैम्पों पलट जाते हैं, कहीं बाइक सवार गिर जाते हैं। हर एक मीटर पर दो गड्ढे हैं, कोई बचे भी तो कहां तक बचे।

ये नजारा साइट-4 का है। होटल कंट्री-इन से सूर्यनगर फ्लाइओवर की तरफ जाने वाली सड़क ही गायब हो गई है। दरअसल बारिश इस सड़क को पी गई और अब सड़क पर केवल गड्ढे ही गड्ढे हैं। सड़क गायब हो गगई। ये इलाका साहिबाबाद क्षेत्र का वो रास्ता है जो डेल्टा कॉलोनी मा मेन रास्ता माना जाता है। पांच कॉलोनियां इससे जुड़ती है। रामप्रस्थ, सूर्यनगर, चंद्रनगर, बृजविहार और रामपुरी से इस रोड की कनेक्टिविटी है। अब गड्ढे कितने ही हो जाए लेकिन रास्ता तो एक ही है। लिहाजा यहां जाम भी लगता है और वाहन भी पलटते हैं। रोज दुर्घटनाएं हो रही है। हालत हल्कान है, सड़क पर जाम है, लेकिन अब जनता ही पूछ रही है कि आखिर इस हालत की तरफ किसका ध्यान है। दैनिक करंट क्राइम ने जब इस मामले को उठाया तो पार्षदों से लेकर पूर्व पार्षदों ने अपनी बात रखी है। जनता इस बात का इंतजार कर रही है कि कब उसे इस डरावने सफर से मुक्ति मिलेगी।

सड़क पर लगता है जाम, दो मिनट के रास्ता होता है 45 मिनट में पारः श्री भगवान अग्रवाल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद भगवान अग्रवाल ने एक दिल दहला देने वाली स्थिति का वर्णन किया है। उन्होंने बताया कि होटल कंट्रीन से लेकर बृज विहार पुल तक टूटी सड़क जो 2 मिनट में पार की जा सकती थी, अब 45 मिनट का समय ले रही है। इससे यह पता चलता है कि सड़क की स्थिति कितनी खराब हो गई है और लोगों को कितनी परेशानी हो रही है। यह स्थिति न केवल यातायात को प्रभावित कर रही है, बल्कि इससे लोगों का समय और पैसा भी बर्बाद हो रहा है। पार्षद श्री भगवान अग्रवाल ने शायद इस मुद्दे को उजागर करने और जल्द से जल्द समाधान की मांग करने के लिए केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा से इस पर बात की है और यूपीसीडा के अधिकारियों से भी इस का पर चर्चा की है। उन्होंने बताया कि यदि यह क्षेत्र नगर निगम में हो, निगम के पास मैनपावर इतनी है घण्टों के काम हो जाता है। यदि पार्षद नगरायुक्त को सूचना देते हैं तो उस ओर कार्यवाही होती है। लेकिन यूपीसीडा के पास इतने संसाधन नही है। जिस कारण डेल्टा कॉलोनी के लोग जाम की समस्या से जूझ रहे है।

बदहाल सड़क के कारण रोज पलटते है वाहनः शशि खेमका

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद शशि खेमका ने महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट 4 रेलवे पुल से गोविंद बल्लभ पंत मार्ग पर सैकड़ो गड्ढे हो गए हैं। इससे यातायात प्रभावित हो रहा है और लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर हजारों लोग रोजाना आते-जाते हैं और सड़क की खराब स्थिति के कारण ट्रैफिक रेंगता हुआ चलता है। इससे गाड़ियों को नुकसान हो रहा है, टू-व्हीलर वाले गिर रहे हैं, और ई-रिक्शा पलट जा रही हैं। पार्षद शशि खेमका ने यूपीसीडा के अधिकारियों से आग्रह किया है कि इस रोड को जल्द से जल्द ठीक किया। इस सड़क पर सीएम को दौरा होना चाहिए जिसे रातों रात सड़क बन बायेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र को गड्ढा मुक्त करना यूपीसीडा का प्रथम दायित्व होना चाहिए।

बदहाल सड़क को लेकर केबिनेट मंत्री को दिया पत्रः पूनम त्यागी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। बृज विहार पुल से लेकर होटल कंट्रीन तक टूटी सड़क को लेकर पूर्व पार्षद पूनम त्यागी ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइड 4 की सड़क की दुर्दशा बहुत ही दयानीय है जो कि आये दिन हादसो को न्यौता देती रहती है। सुबह से शाम तक ई-रिक्शा सवार हो दोपहिया सवार इन हादसो का शिकार होते रहते है। जिसके चलते, महिलाओं, बच्चो एव बुजुर्गो को कई बार भारी चोटो का शिकार होना पडा है। इस सड़क का निर्माण शीघ्र से शीघ्र कराने की कृपा करें।

हाउस टैक्स वाली अदालती लड़ाई में आ सकता है रोचक मोड़!

शिकायत वाले नोटिस और फेसबुक पोस्ट को जवाबी कार्यवाही में दिया गया है जोड़

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर नगर निगम इन दिनों आंदोलन वाले मोड में दिखाई दे रहा है। पहले पार्षदों ने जनप्रतिनिधियों के यहां जाकर माहौल बनाया और उन्हें 30 जून वाली बैठक में बुलाया। इसके बाद पार्षदों ने मिनट्स बुक की डिमांड की और फिर धरने पर बैठ गए और अब पार्षद लखनऊ की यात्रा पर हैं। वहीं तस्वीर के दूसरी तरफ भाजपा के ही तीन पूर्व पार्षद हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को निगम एक्ट के खिलाफ बताते हुए अदालत में चले गए। उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली और हाईकोर्ट ने इस मामले में पहले 29 जुलाई की डेट दी, फिर पांच अगस्त की डेट दी और अब बताया जाता है कि अदालत ने 11 सितंबर की तारीख तय की है।

वहीं सूत्र बताते हैं कि पूर्व सीनियर पार्षदों ने अदालती लड़ाई में निगम की बैठक, मेयर के नोटिस और मेयर की फेसबुक पोस्ट को ही साक्ष्य बना लिया है। सूत्र बताते हैं कि कहानी में रोचक मोड आएगा क्योंकि जिन बातों को खुद नगर निगम सदन की मुखिया ने कहा, जिस नोटिस को भाजपा महानगर अध्यक्ष ने ग्रहण किया और निगम एक्ट का हवाला देते हुए पार्षद अब इस लड़ाई को लड़ रहे हैं।

पूर्व पार्षदों ने दिया है निगम एक्ट की धार-117 का हवाला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अदालती कार्यवाही में ये बताया जा रहा है कि पूर्व पार्षदों ने निगम एक्ट की धारा 117 (1), 117 (5), 148, 177 का हवाला दिया है। इसके अनुसार टैक्स बढ़ाना और घटना सदन के हाथ में होता है। टैक्स की दरों को बढ़ाने और घटाने की पावर सदन के पास है। पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल ने कहा कि हमने दो गुणा टैक्स वसूले जाने के सबूत पेश किये हैं।

इस तरह रखी है पूर्व पार्षदों ने अदालत में बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अदालत ने इस मामले में 11 सितंबर की तारीख दी है। बताया जाता है कि पिछली तारीख 4 सितंबर की थी। इसी दिन हाईकोर्ट में नए जजों की ओथ सेरेमनी थी। जिसके चलते अदालत में लंच के बाद काम नहीं हुआ था, लेकिन पार्षदों का जवाब दाखिल हो गया है। इसमें पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल, पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी ने अपना जवाब दाखिल किया है। पहले पक्ष ने कहा था कि पूर्व पार्षदों को संपूर्ण सुनवाई का मौका दिया गया। पूर्व पार्षदों ने अदालत में कहा कि हमने जब प्रस्ताव खारिज कर दिया और नई पॉलिसी के तहत 2023 से टैक्स बढ़ाया और खुद ही दस प्रतिशत की वृद्धि की थी। इसी से पिछला प्रस्ताव खारिज हो गया। दूसरे सवाल में कहा गया कि सुनवाई का मौका नहीं दिया गया और यहा जवाब में याचिकाकर्ता पूर्व पार्षदों ने सात मार्च 2025 को सदन में हुई बैठक का हवाला दिया और कहा कि बहुत से पार्षदों ने ये अवगत कराया कि हमने कोई डिसीजन नहीं लिया और दस से 15 पार्षदों ने अपने पत्र भी लगाए हैं। पूर्व पार्षदों ने अपने जवाब में 9 अक्टूबर 2024 की बैठक, 7 मार्च 2025 की बैठक और 30 जून 2025 की बैठक का भी हवाला दिया है और यहां पर सूत्र बताते हैं कि 9 अक्टूबर 2024 की बैठक का हवाला देते हुए ये कहा गया है कि निगम प्रशासन इस बैठक का जिक्र क्यों नहीं कर रहा है। इन दोनों बैठकों में प्रस्ताव निरस्त हुआ है और निगम प्रशासन अदालत को मिसगाइड कर रहा है।

दाखिल हुआ है नोटिस और एफबी पोस्ट का स्क्रीन शॉट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सूत्र बताते हैं कि यहां याचिकाकर्ता पूर्व पार्षदों ने मेयर को मेयर के दांव में घेरा है। उन्होंने वो नोटिस जारी किया है जिसमें मेयर ने महानगर अध्यक्ष को पत्र लिखा है। उन्होंने ये बताया है कि मिनट्स बुक की मांग को लेकर पार्षद धरने पर बैठे। इसकी पूरी भाषाशैली को आउटलाइन किया है और यहां उन्होंने मेयर की उस फेसबुक पोस्ट की भी कॉपी लगाई है जिसमें उन्होंने ये कहा है कि टैक्स वसूली का प्रस्ताव सर्वसम्मति से निरस्त हुआ है। पार्षदों को दिये गये नोटिस में मेयर ने खुद स्वीकार किया है कि प्रस्ताव निरस्त हो गया है। यहां पर याचिकाकर्ता पूर्व पार्षदों ने वो पत्र भी लगाया है जो मेयर ने महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल को लिखा है। जिसमें उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव निरस्त हो गया है और पार्षद धरने पर बैठे हैं। इस पत्र में मेयर ने खुद ये माना है कि नगर निगम की बैठक हुई है।

कौन है पावरफुल इस पर अदालत को देना है फैसला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सूत्र बताते हैं कि टैक्स बढ़ोत्तरी को लेकर निगम अपना पक्ष रख चुका है और याचिकाकर्ता पूर्व पार्षद अपना पक्ष रख चुके हैं। अब तो केवल इस बात पर अदालत को फैसला देना है कि पावर किसके पास है। टैक्स बढ़ाने या घटाने की पावर सदन के पास है या ये ताकत नगर आयुक्त को दी गई है। बताया ये जा रहा है कि अब तक सदन ही टैक्स को लेकर फैसले करता आया है। अदालत को भी यही बताना है और बताया ये भी जा रहा है कि अदालत में बजट पास ना होना भी एक मामला बनेगा, क्योंकि अभी बिना बजट पास हुए ही खर्च चल रहा है जबकि यह नियम के विरुद्ध है। कार्यकारिणी का गठन होगा फिर बजट पास होगा, फिर वो बजट सदन में आएगा। इसी तरह अदालत में जो प्रमुख मामला है वो ये है कि टैक्स की दरें बढ़ाने का अधिकार सदन के पास है या नगर आयुक्त के पास है।

भाजपा मंत्री पर जानलेवा हमला, पार्षद के दफ़्तर पर चली गोली

- पुलिस कर रही है पूरे मामले की जांच

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ भाजपा के मंत्री संजीव चौधरी पर जानलेवा हमला किया गया। घटना 7 सितंबर की रात लगभग 9 बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, भाजपा मंत्री अपने परिचित मौजूदा पार्षद अजय चौधरी से मिलने मोरटा स्थित उनके कार्यालय पर पहुंचे थे। उसी समय वहाँ पहले से मौजूद कुछ बिल्डरों से उनका सामना हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एसीपी कवि नगर भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की तहरीर दर्ज कर ली गई है और सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

पुरानी रंजिश का है मामला

करंट क्राइम। पीड़ित संजीव चौधरी का आरोप है कि इन लोगों से उनकी पुरानी रंजिश चल रही है क्योंकि उन्होंने अपनी जमीन इन्हें देने से इनकार कर दिया था। इसी वजह से आरोपियों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और देखते ही देखते जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। फायरिंग में कुछ गोलियां उनकी कार में लगीं, हालांकि वह किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से निकल गए।

सुरक्षा व्यवस्था का दिखा सेवा पखवाड़े की बैठक में गजब अंदाज

जब भाजपा नेताओं के साथ पुलिसकर्मियों ने भी सुनी बैठकर मुख्य अतिथि की बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा का सेवा पखवाड़ा चल रहा है और इसको लेकर बैठकों का दौर हो रहा है। बैठकों में वीआईपी गेस्ट आ रहे हैं। जाहिर है कि जब वो आएंगे तो उनके साथ सरकार वाले सुरक्षाकर्मी भी आएंगे जिन्हें अंग्रेजी में गनर भी कहते हैं।

भाजपा के ये मूल कार्यकर्ता हैं और सेवा पखवाड़े की बैठक हुई तो गाजियाबाद के प्रभारी मानवेंद्र सिंह भी आए। उन्होंने सेवा पखवाड़े की बैठक में अपने विचार रखे और इन विचारों को सुनने के लिये पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद थे, लेकिन ये सेवा पखवाड़ा अपने साथ गजब का नजारा लेकर आया।

ये भाजपा संगठन का कार्यक्रम था और इसमें बार-बार मंच से ये कहा जा रहा था कि केवल अपेक्षित वाले चेहरे ही रहें। संगठन का कार्यक्रम था और यहां पर सबसे रोचक नजारा ये था कि कुर्सियों पर पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। मंच से भाजपा की रीति और नीति की घुट्टी पिलाई जा रही थी और इस घुट्टी को केवल भाजपा के देवतुल्य ही नहीं ग्रहण कर रहे थे बल्कि कुर्सियों पर बैठकर पुलिसकर्मी भी बड़े ध्यान से रीति और नीति को समझ रहे थे। उन्होंने भी पूरे कार्यक्रम में पूरी मुस्तैदी के साथ वहीं बैठकर पूरे कार्यक्रम को सुना।

चर्चा यही थी कि शायद पुलिसकर्मी अपेक्षित हैं तभी तो वो इतने व्यवस्थित ढंग से विराजमान हैं। हालांकि बाद में पता चला कि वो अपने फर्ज को पूरी मुस्तैदी से निभा रहे हैं। वो जिनकी सुरक्षा की ड्यूटी में हैं वो उनकी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सजग हैं और वो अपनी ड्यूटी को निभा रहे हैं।

साइबर ठगों से लेकर स्टेशन की चोरी और मंडी रिश्वतखोरी ने पुलिसिंग पर उठाए सवाल!

1 से 7 सितंबर तक अपराध का बदला चेहरा

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। राजधानी दिल्ली से सटा गाज़ियाबाद अब सिर्फ औद्योगिक और कारोबारी केंद्र ही नहीं, बल्कि अपराधों का गढ़ भी बनता जा रहा है। बीते सप्ताह जिले से सामने आई घटनाओं ने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कहीं रिटायर्ड रक्षा अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लाखों रुपये से ठग लिया गया, तो कहीं शेयर और क्रिप्टो निवेश के नाम पर लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर दिया गया। उधर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का सामान चुराने वाला आरोपी जेल भेजा गया, जबकि साहिबाबाद मंडी में सचिव का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हुआ।

साइबर अपराधः सबसे बड़ा खतरा

करंट क्राइम। साइबर क्राइम थाना क्षेत्र में इस सप्ताह कई बड़े मामले दर्ज हुए। रिटायर्ड रक्षा अधिकारी से 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 34 लाख से अधिक की ठगी हुई। शेयर ट्रेडिंग व बिटकॉइन निवेश के नाम पर तीन लोगों से 52 लाख की धोखाधड़ी हुई। पिछले 19 महीनों में साइबर क्राइम थाना में 541 केस दर्ज किये गये जिनमें कुल ठगी 142 करोड़ रूपये की हुई। इनमें से 35 करोड़ रुपये पीड़ितों को वापस कराए गए। विशेषज्ञों का कहना है कि साइबर ठगी में 'गोल्डन आवर' यानी पहले घंटे में शिकायत दर्ज कराना बेहद जरूरी है, तभी रकम वापस मिलने की संभावना रहती है।

रेलवे स्टेशन पर चोरी, आरोपी को जेल भेजा

करंट क्राइम। यात्रियों के भरोसे पर चोट पहुँचाने वाले अपराधों में रेलवे चोरी का मामला सामने आया। जीआरपी की विशेष अदालत ने आरोपी फुरकान को 30 माह की सश्रम कारावास और 5,000 जुमार्ने की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले ऐसे अपराध यात्रियों की सुरक्षा को सीधा प्रभावित करते हैं।

इस हफ्ते के 5 बड़े अपराध (1-7 सितंबर)

- 34 लाख की साइबर ठगी — रिटायर्ड रक्षा अधिकारी से।
- शेयर-क्रिप्टो निवेश फ्रॉड — 52 लाख की ठगी।
- रेलवे स्टेशन चोरी — आरोपी को 30 माह की जेल।
- साहिबाबाद मंडी रिश्वत — सचिव का 50,000 लेते वीडियो वायरल।

साहिबाबाद मंडी रिश्वत कांड

करंट क्राइम। साहिबाबाद सब्जी मंडी के सचिव का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह निरस्त लाइसेंस बहाल करने के बदले 50,000 की रिश्वत लेते दिखाई दिए। इस घटना ने मंडी व्यवस्था की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। फिलहाल जांच जारी है और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया जा रहा है।

रहना होगा सभी को अलर्ट

करंट क्राइम : गाज़ियाबाद में अपराध का चेहरा बदल चुका है। पुराने अपराध और नए साइबर खतरे दोनों ही आम नागरिक की सुरक्षा को चुनौती दे रहे हैं। पुलिस और अदालतें कार्रवाई कर रही हैं, मगर अपराध पर काबू पाने के लिए जनता को भी सतर्क रहना होगा। साइबर अपराध सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं, जिनका दायरा करोड़ों तक पहुँच गया है। रेल चोरी जैसे पुराने अपराधों पर सख़्ती हुई है, लेकिन घटनाएँ थमी नहीं हैं। संस्थागत भ्रष्टाचार (मंडी रिश्वत) ने प्रशासन की साख को गहरी चोट पहुँचाई है।

संपादकीय

क्या ट्रंप टैरिफ वापस लेंगे?

एप्पल ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। अमेजन ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। गूगल ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और मेटा ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे वैध करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को शीत युद्ध एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की दादागीरी मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना परम मित्र मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया। उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

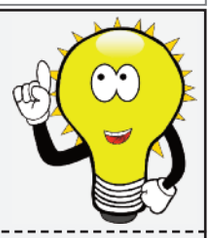

- साल 1755 में, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने एक डोडो पक्षी जला दिया, यूनिवर्सिटी इस बात से अनजान थी कि यह दुनिया का आखिरी पूर्ण नमूना था।
- क्या आप जानते हैं? वर्ल्ड वॉर-II के दौरान ऑक्सफोर्ड के ऊपर बम गिराकर बर्बाद क्यों नहीं किया गया था, इसका यही कारण है कि हिटलर इंग्लैंड पर विजय प्राप्त करने के बाद शहर को राजधानी के रूप में उपयोग करना चाहता था।
- रुथ लॉरेंस, एक बाल विलक्षण गुण-संपन्न मनुष्य, ने 10 साल की उम्र में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी गणित की परीक्षा उत्तीर्ण की थी, सभी 530 उम्मीदवारों में से प्रथम आने के बाद, उन्होंने 13 साल की उम्र में एक वर्ष की डिग्री पूरी की थी।
- ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय दुनिया का दूसरा सबसे पुराना क्रियाशील विश्वविद्यालय है। सबसे पुराना एक बोलोग्ना विश्वविद्यालय है।
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में एक शोध अध्ययन में पाया गया कि नास्तिक और अत्यधिक धार्मिक लोग कम से कम मौत से डरते हैं।

त्योहारों में ऑनलाइन खरीदारी 115% बढ़ने का अनुमान

विदेशी निवेशकों ने बेचे 12,257 करोड़+ के शेयर

नई दिल्ली। त्योहारों पर खर्च करने के लिए ई-कॉमर्स और ऑनलाइन मंच को पसंदीदा माध्यम के रूप में चुनने वाले शहरी परिवारों की संख्या बढ़ने की संभावना है। जीएसटी दरों में कमी से भी खरीदारों में सकारात्मक धारणा को बढ़ने की उम्मीद है। लोकल सर्किल्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले शहरी परिवारों की संख्या इस त्योहारी सीजन के दौरान 115 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है।

वहीं, एक बड़ा वर्ग अब भी त्योहारों में ऑफलाइन खरीदारी को पसंद करता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस त्योहारी सीजन में कुल खर्च 2.19 लाख करोड़ होने का अनुमान है। 37 फीसदी शहरी परिवार इस दौरान 20,000 रुपये या उससे अधिक खर्च करने की योजना बना रहे हैं।

विदेशी निवेशकों ने बेचे 12,257 करोड़ के शेयर

विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई ने इस महीने के पहले हफ्ते में 12,257 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। मजबूत डॉलर, टैरिफ चिंताओं और देशों के बीच तनावों के चलते निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी। 2025 में अब तक 1.43 लाख करोड़ की बिकवाली हुई है।

दरें कम नहीं हुईं तो उद्योग संगठनों से की जाएगी शिकायत

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जीएसटी की घटी हुई दरें लागू होने के बाद 22 सितंबर से वस्तुओं की कीमतों में कमी नहीं आती है तो संबंधित शिकायतों को बोर्ड उद्योग निकायों के समक्ष उठाएगा। उन्होंने कहा, उद्योग जगत ने पहले भी जब भी जीएसटी परिषद ने करों में कमी का फैसला लिया है, वस्तुओं की कीमतें कम की हैं। हमें विश्वास है कि उद्योग इसका लाभ अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगा। कोई शिकायत मिलती है तो उसे उद्योग निकायों के समक्ष उठाएंगे। मुनाफाखोरी की शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था पहले भी थी।

उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 76 अंक चढ़ा, निफ्टी 24700 के पार

नई दिल्ली। सोमवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 76.54 अंक उछलकर 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक की बढ़त के साथ 24,773.15 पर बंद हुआ।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक या 0.09 प्रतिशत उछलकर 80,787.30 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,773.15 पर आ गया।

भारत, इस्राइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और इस्राइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार और इजराइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते # बीआईटी पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजरायली समकक्ष बेजालेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। अप्रैल 2000 से जून 2025 के दौरान, भारत को इजराइल से 337.77 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है। इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं।

उद्योग मंत्री गोयल ने किया दावा 'भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार'

नई दिल्ली। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया है कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी चुनौती का सामना करने की पर्याप्त ताकत है। भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लिए तैयार है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला है। गोयल ने एक दशक पहले दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक से लेकर अब शीर्ष पांच में शामिल होने तक के भारत के सफर पर प्रकाश डाला।

भारत ने 7.8 प्रतिशत की जीडीपी का रिकॉर्ड बनाया

मंत्री ने हालिया आर्थिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली तिमाही में भारत की जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे उन्होंने एक रिकॉर्ड बताया। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि 2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जीएसटी सुधार से देश और आम आदमी को मिलेगा लाभ

गोयल ने नए अवसर पैदा करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे सुधारों को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार बहुत व्यापक है। सरलीकरण और दरों में कटौती से देश की अर्थव्यवस्था और भी आगे बढ़ेगी। नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लोग ज्यादा खर्च करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

राशिफल

मेष: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें।

वृष: अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं।

कर्क: धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह: पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

कन्या: परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

तुला: थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक: शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्?थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी।

धनु: प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी।

मकर: कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुंभ: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन: अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

चुटकुले

बेटा - मां मैं एक दिन बहुत बड़ा आदमी बनूंगा, आपकी झोली खुशियों से भर दूंगा।
मां - पहले ये बोतलें भरकर फ्रिज में रख नालायक!

टीना - मम्मी, मैं जीवन में आगे बढ़ने के लिए क्या करूं?
मम्मी (गुस्से से) - पत्थर ले और और सबसे पहले मोबाइल फोड़।

पत्नी: सुनो जी, मुझे नयी ड्रेस चाहिए।
पति: पर तुम्हारे पास तो अलमारी भरी है!
पत्नी: अरे, कपड़े पहनने के लिए होते हैं!!
पति: हाँ हाँ, और अलमारी भरने के लिए भी!

पत्नी: सुनो जी, मुझे कोई काम नहीं करना!
पति: तो क्या करना चाहती हो?
पत्नी: बस सोना!
पति: फिर तो तुम्हें बैंक में नौकरी करनी चाहिए!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

09 09 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

अक्षय कुमार
अभिनेता

अनिका कौशिक

यशवी चौधरी

वाराहि घिल्डियाल

भरत शर्मा

निखिल

देविका

अर्श मलिक

हर्षित शर्मा

यश गुमास्था

काजी अदनान नबील सिद्दीकी

एसपी सिंह

हरीश शर्मा

पंडित राम आसरे शर्मा

रवि कुमार

राजीव यादव

सचिन सोनी

पकंज जाटव

विराज ठाकुर

हरिओम शर्मा

मोहित कौशिक

विशाल शर्मा

नवीन राणा

कृष्णपाल

अनिल पंडित

प्रदीप कुमार

चंद्रभान सिंह

ओमपाल शर्मा

अनुज भाटिया

मानु त्यागी

सनी गहलौत

देवकांत भारद्वाज

नदीम खान

हिमांशु शर्मा

प्रदीप शर्मा

बाबा पंडित

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

विश्व फिजियोथेरेपिस्ट दिवस पर सेंट जोसेफ हॉस्पिटल में फिजियोथेरेपी कैंप आयोजित

साहिबाबाद करंट क्राइम। विश्व फिजियोथेरेपिस्ट दिवस के अवसर पर सेंट जोसेफ हॉस्पिटल, मरियम नगर, नंदग्राम गाजियाबाद में एक विशेष फिजियोथेरेपी कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान स्पोर्ट्स इंजरी, न्यूरो, फुट स्कैनिंग, ऑर्थो इंजरी सहित विभिन्न विषयों पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. वंदना तवार ने फिजियोथेरेपी सेवाएँ प्रदान कीं।

कैंप में सैकड़ों लोग पहुंचे और लगभग 100 मरीजों ने फिजियोथेरेपी कराकर राहत महसूस की। रोगियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिनमें रीना, तपस्या, नैन्सी, अरविंद, प्रिया, दिलीप, राम, सुमन, श्वेता आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे शिक्षाविद रामदुलार यादव का स्वागत सिस्टर सालवी, प्रबंधक ललित गोयल और डॉ. वंदना तवार ने पौधा भेंट कर किया। सेंट जोसेफ हॉस्पिटल पिछले डेढ़ दशक से लोगों की सेवा कर रहा है। 150 बेड वाले इस मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं और यह निरंतर जनसेवा के लिए समर्पित है। इस अवसर पर मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. बी.बी. जिंदल, एचआर विभाग और प्रशासनिक अधिकारी सिस्टर सचेत ने भी सक्रिय भागीदारी की।

एडिशनल सीपी ने संभाली पुलिसिंग की कमान

क्राइम कंट्रोल और जनसुनवाई पर रहेगा फोकस

एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने कहा है कि क्राइम कंट्रोल और जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाएगी। जनता का विश्वास बनाए रखना और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराध नियंत्रण और जनसुनवाई को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम एवं मुख्यालय) केशव चौधरी ने अब पुलिसिंग की कमान संभाल ली है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर एडिशनल सीपी ने अपने कार्यालय में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने स्पष्ट कहा कि अपराध नियंत्रण और जनता की समस्याओं का समाधान, दोनों ही पुलिस व्यवस्था की पहली प्राथमिकता होंगे। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी शिकायतकर्ता को निराश न लौटाया जाए और हर समस्या का निष्पक्ष समाधान समय पर सुनिश्चित किया जाए।

एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने यह भी कहा कि बढ़ते साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, ट्रैफिक अनुशासन और संगठित अपराधों पर विशेष फोकस रहेगा। इसके लिए ठोस रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें थानों की कार्यशैली को और अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाएगा।

तुलसी निकेतन की बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। तुलसी निकेतन रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन और स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान से क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में बाधक बन रही है, जिससे आम जनता परेशान है। स्थानीय निवासी आरके मल्होत्रा ने बताया कि निगम और जीडीए अधिकारियों की अनदेखी के चलते क्षेत्र में समस्याएं बढ़ रही हैं। वही अपर्याप्त सफाई व्यवस्था क्षेत्र में जगह-जगह कूड़े के ढेर और मच्छरों की भरमार है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। जर्जर सड़कें और जलभराव बरसात के बाद जगह-जगह कीचड़ और जलभराव हो जाता है, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। जीडीए ने तुलसी निकेतन योजना को नए रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिसमें क्षेत्र की सूरत बदलने की कोशिश की जा रही है। जीडीए के अधिकारी जल्द ही इलाके में सफाई कराने का आश्वासन दे रहे हैं।

शहीद नगर मेट्रो स्टेशन पर जाम बना नासूर, लोगों ने बोर्ड लगाकर ऑटो और ई-रिक्शा चालकों से की अपील

गाजियाबाद। शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के बाहर लगने वाला जाम अब लोगों के लिए नासूर बन गया है। मेट्रो स्टेशन के सामने बेतरतीब ढंस से खडे होने वाले ऑटो और ई-रिक्शों से हर वक्त यहां जाम लगा रहता है। ऐसा नहीं है कि यहां ट्रैफिक पुलिस के जवान नहीं रहते हैं, हर समय यहां ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगी रहती है लेकिन इसके बाद भी यहां जाम लगा रहता है। इसकी एक प्रमुख वजह जाम को लेकर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की उदासीनता है। ट्रैफिक पुलिस कर्मी हर वक्त चालान काटने में लगे रहते हैं। उनका ध्यान ऑटो और ई रिक्शों को इधर-उधर खडा करने पर कम रहता है। मेट्रो स्टेशन के गेट से पटेल नगर सेकंड की ओर जाने वाले वाहनों को मुडने तक की जगह नहीं मिल पाती है। मेट्रो गेट से लेकर डायगनोस्टिक सेंटर तक ऑटो और ई रिक्शा वालों का कब्जा रहता है। यहां प्राइवेट बसें भी खडी हो जाती है। पटेल नगर निवासी शालिनी शर्मा का कहना है कि हर वक्त ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं कि या तो आप झगडा करो या इंतजार करो या जीटी रोड जैसे मुख्य सडक पर चलते रहो। फिर आगे चलकर लेफ्ट टर्न लो, तो कॉलोनी तक पहुंचने के लिए काफी लंबा रास्ता तय करना पडता है। उन्होंने कहा कि तेज चलते ट्रैफिक के बीच व्यवधान पैदा करते हुए अपनी और दूसरे वाहनों की सुरक्षा को दांव पर लगाते हुए टर्न लिया जाता है। अनेक अवसर पर ट्रैफिक संगोष्ठी और आईजीआरएस के माध्यम से समस्या को सामने लाने का प्रयास किया गया लेकिन ट्रैफिक पुलिस के कानों तक जूं नहीं रेंग रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जब कॉलोनी वालों ने शिकायत दर्ज कराई थी तो एक-दो दिन असर दिखता है लेकिन हालात पहले जैसे बन जाते हैं। अब पटेलनगर सेकंड के लोगों ने खुद पहल करते हुए एक अपील बोर्ड लगाया है। जिसमें सभी ऑटोवालों और ईरिक्शा वालों से अपने वाहनों को सही जगह खडे करने की अपील की गई है। सभी ई रिक्शा, ऑटो या दूसरे वाहन चालक बार-बार इसको पढेंगे और पटेल नगर वार्ड 9 निवासियों की समस्या समझने की कोशिश करेंगे। मौके पर तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने भी माना कि समस्या बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल ही में गाजियाबाद में ज्वाइन किया है। इस समस्या का हल निकालने की पूरी कोशिश करेंगे। इसके लिए एक पेंट से निशान भी लगाया जाएगा ताकि ई रिक्शा या ऑटो चालक को भी अंदाजा हो जाए कि उसे किस क्षेत्र में में रहना है।

लोनी की सड़कों और जलभराव पर ज़िलाधिकारी सख़्त भूमाफियाओं पर चलेगा एक माह का अभियान

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। लोनी की बदहाल सड़कों, जलभराव और भूमाफियाओं की करतूतों पर अब जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने सीधे मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को अचानक तहसील लोनी पहुँचे डीएम ने अफसरों की बैठक बुलाई और साफ चेतावनी दी कि ह्लसमस्याओं पर सिर्फ. बैठकों से काम नहीं चलेगा, अब जमीन पर कार्रवाई दिखनी चाहिए।ह्व उन्होंने जाम, गड्ढ़ायुक्त सड़कें और अवैध प्लॉटिंग को क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियाँ बताते हुए एक माह के विशेष अभियान का ऐलान किया।

जाम और जलभराव पर कड़ा रुख

करंट क्राइम। डीएम ने बताया कि दो माह में दिल्लीझदेहरादून एक्सप्रेस-वे शुरू होने से जाम की समस्या में राहत मिलेगी। साथ ही दिल्ली सहारनपुर रोड, जो लंबे समय से नाले के नीचे होने के कारण जलभराव का शिकार है, उस पर कार्रवाई के लिए एसडीएम लोनी, ईओ लोनी, पीडब्ल्यूडी, एनएचआईए और नगर निगम की संयुक्त टीम गठित की गई है। सभी विभागों को एक माह में रिपोर्ट देने

गाजियाबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवसः 142 शिकायतें दर्ज, 14 का मौके पर निस्तारण

गाजियाबाद करंट क्राइम। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। सदर तहसील में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में 47 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 9 का मौके पर निस्तारण किया गया। मोदीनगर तहसील में एडीएम एल/ए विवेक मिश्र की अध्यक्षता में 48 शिकायतें दर्ज हुईं और 2 का निस्तारण हुआ। लोनी तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में 47 शिकायतें आईं, जिनमें से 3 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस तरह तीनों तहसीलों में कुल 142 शिकायतें दर्ज हुईं और 14 मामलों का निस्तारण मौके पर किया गया। सभी तहसीलों में एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में की चर्चा

गाजियाबाद करंट क्राइम। स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ उत्तर प्रदेश के महामंत्री बिल्लू चौहान के नेतृत्व में पाँच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने 8 सितंबर को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग कार्यालय में सदस्य किशोर मकवाना से मुलाकात कर सफाई कर्मचारियों की गंभीर समस्याओं और मांगों पर चर्चा की। प्रतिनिधियों ने गाजियाबाद नगर निगम पर आरोप लगाया कि नगर आयुक्त और स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं तथा समस्याओं के समाधान की जगह उन्हें आपस में लड़वाने का काम कर रहे हैं। कर्मचारियों ने ठंडी-गर्मी की वर्दी उपलब्ध कराने, बढ़ती आबादी को देखते हुए 3000 नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती जैसी मांगों को भी प्रमुखता से उठाया। धरना-प्रदर्शन के दौरान यूनियन नेताओं ने कहा कि सफाई कर्मचारी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठा रहे हैं, लेकिन पुलिस और निगम प्रशासन उन्हें दबाने का प्रयास कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष शक्ति जीनवाल ने स्पष्ट कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बैठक में कई अहम मुद्दों पर मंथन

अनाधिकृत कालोनियों में रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में प्राधिकरण उठाएगा कदम

उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कई पहलुओं को लेकर बैठक में जारी किए दिशा निर्देश

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष, अतुल वत्स ने सोमवार को प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कई प्रमुख विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

ईडब्ल्यूएस और एलआईजी भवनों पर सख्ती

करंट क्राइम। बैठक में मुख्य रूप से निजी बिल्डरों द्वारा विकसित की जा रही ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं में ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) और एलआईजी (निम्न आय वर्ग) भवनों के निर्माण पर चर्चा हुई। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को यह पता लगाने के निर्देश दिए कि किन बिल्डरों ने निर्धारित संख्या में इन भवनों का निर्माण नहीं किया है। ऐसे बिल्डरों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

आईजीआरएस शिकायतों की जांच

करंट क्राइम। आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) का दायित्व देख रहे विशेष कार्य अधिकारी को प्रतिदिन कम से कम पाँच आईजीआरएस शिकायतों की जांच करने के निर्देश दिए गए, ताकि शिकायतों के निपटान की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा

करंट क्राइम। अवैध कॉलोनियों में रजिस्ट्री पर रोक लगाने के लिए निबंधक (रजिस्ट्रार) को पत्र भेजने का निर्णय लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निबंधक, विद्युत विभाग, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि अवैध कॉलोनियों में रजिस्ट्री न हो सके। जिन इमारतों को सील करके पुलिस की निगरानी में सौंपा गया है, उनकी निगरानी के लिए पुलिस विभाग के साथ मिलकर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कैलाश मानसरोवर भवन और रोडवेज बस अड्डे पर चर्चा

करंट क्राइम। बैठक में इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन के हस्तांतरण के लिए एमओयू (समझौता ज्ञापन) के बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा, रोडवेज बस अड्डे का आधुनिक निर्माण कर रही निजी फर्म के साथ रेवेन्यू शेयरिंग (राजस्व साझेदारी) के पहलू पर भी मंथन किया गया। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को राजस्व साझेदारी का अध्ययन कर एक प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में जब निजी फर्म व्यावसायिक लाभ कमाएगी, तो प्राधिकरण के वित्तीय हितों का भी ध्यान रखा जाए।

मानव का सबसे बड़ा कर्तव्य धर्म और राष्ट्र की रक्षा: यति नरसिंहानंद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। डासना शिवशक्ति धाम के महंत और जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि अगर सनातन धर्म की रक्षा अभी नहीं की गई तो बाद में पछताना पड़ेगा। मुजफ्फरनगर के गांधीनगर स्थित श्यामा श्याम मंदिर में पांच दिवसीय मां बगलामुखी महायज्ञ के दूसरे दिन उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित प्रवचन में कहा कि करुणा और दया के साथ-साथ धर्म, राष्ट्र, परिवार और स्वजन मित्रों का संरक्षण और प्रतिशोध भी सनातन धर्म का मूल अंग है। उन्होंने भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, परशुराम और हनुमान के जीवन प्रसंगों का उदाहरण देते हुए कहा कि मानव का सबसे बड़ा कर्तव्य अपने धर्म और सम्मान की रक्षा करना है। महायज्ञ में उनके साथ मुख्य यजमान संजय धीमान, मुख्य संयोजक राजू सैनी, शिष्य यति अभयानंद, यति धमार्नंद, मोहित बजरंगी, डॉ. योगेंद्र योगी, पंडित सुनील दत्त शर्मा और पुरोहित पंडित सनोज शास्त्री मौजूद रहे। आज के यजमान अरुण सैनी और नीतू सैनी थे। इस अवसर पर नीटू त्यागी, संदीप जिंदल, सुनील त्यागी, विनोद पाल, ईश पाल, संजय पाल सैनी, गौरव, सौरभ सहित अनेक भक्तगणों ने आहुति अर्पित की।

9 अक्टूबर को लखनऊ में धरना प्रदर्शन की तैयारी तेज

गाज़ियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ की 13 सूत्रीय मांगों को लेकर 9 अक्टूबर को लखनऊ के हजरतगंज गांधी प्रतिमा पर प्रदेशव्यापी धरना प्रदर्शन होगा। सोमवार को महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र गाज़ियाबाद नगर निगम स्थित कार्यालय पहुँचे, जहाँ प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने उनका स्वागत किया।

शशि कुमार मिश्र ने बताया कि नगर विकास मंत्री की ओर से बार-बार निदेशों के बावजूद विभाग कोई ठोस निर्णय नहीं ले रहा। प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने कहा कि सेवा नियमावली न होने से कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ तक नहीं मिल पा रहा। धरने में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्र, कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश अग्निहोत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार, क्षेत्रीय अध्यक्ष सलीम अब्बासी सहित राजीव शर्मा, जयदेव कौशिक, कुलदीप शर्मा, मनोज धींगान, रविंद्र पाल, संजय त्यागी, विनोद मकवाना, गौरव उपाध्याय, मोबिन अंसारी, गफ्फार हुसैन, साबिर अब्बासी शामिल होंगे।

सेवा और भाजपा एक-दूसरे के पूरक हैं: पंकज सिंह

लोनी में हुआ सेवा पखवाड़ा अभियान जिला कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद/लोनी। लोनी के कारवां बैंक्वेट हॉल में भाजपा द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा अभियान जिला कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह और विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अभियान सह-संयोजक गजेंद्र मावी ने कार्यकताओं को संबोधित किया।
कार्यक्रम से पहले गढ़ी कटैया अंडरपास पर पंकज सिंह का भाजपा नेताओं और सभासदों ने पुष्पवर्षा कर और तलवार भेंटकर स्वागत किया।

भाजपा के लिए सेवा का अर्थ है जनता की सेवा : पंकज सिंह

करंट क्राइम। अपने वक्तव्य में पंकज सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए सेवा का अर्थ है जनता की सेवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आज एक सशक्त और समर्पित सरकार मिली है। भाजपा के कार्यक्रम साल के 365 दिन जनता के लिए चलते रहते हैं, जबकि अन्य दल केवल चुनावों में सक्रिय होते हैं। सेवा पखवाड़ा अभियान को हर कार्यकर्ता मिलकर सफल बनाए। उन्होंने लोनी की राजनीति पर बोलते हुए कहा कि पहले कुछ लोग मानते थे कि दबंगई के कारण लोनी में भाजपा नहीं जीत सकती, लेकिन यहां के फायर ब्रांड विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दिया। कार्यकताओं के परिश्रम और नेतृत्व के बल पर भाजपा ने जीत दर्ज की। यहां के विधायक को देखकर लोगों को उमा भारती और योगी आदित्यनाथ की याद आती है।

भाजपा का हर कार्यकर्ता संगठन की भावना के साथ काम कर रहा है : नंदकिशोर गुर्जर

करंट क्राइम। कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल अभियान नहीं बल्कि जनता की सेवा का संकल्प है। भाजपा का हर कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ कार्य कर रहा है। लोनी में विकास और जनता की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य जारी है।

अभियान और आने वाले कार्यक्रम

करंट क्राइम। भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सिंह ने जानकारी दी कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत लोनी क्षेत्र में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, प्रबुद्ध सम्मेलन, आत्मनिर्भर भारत पर कार्यक्रम, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण तथा खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। क्षेत्रीय अभियान सह-संयोजक गजेंद्र मावी ने कहा कि सेवा ही संगठन का मंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है। हर कार्यकर्ता को सेवा का संकल्प लेना है और समाज के अंतिम पायदान तक सेवा पहुँचानी है।
कार्यशाला में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महिला, युवा और किसान मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल संयोजक, जिपं अध्यक्ष, सम्मानित नागरिक और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 हजार का इनामी बदमाश हारुन कुरैशी गिरफ्तार

मोदीनगर पुलिस व स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई, चोरी की बाइक और मोबाइल बरामद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। थाना मोदीनगर पुलिस व स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश हारुन कुरैशी उर्फ आदिल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन और दो नकली नंबर प्लेट बरामद की हैं। घटना की शुरूआत पिछले साल 13 सितंबर को हुई थी। मोदीनगर निवासी सदिन कुमार ने पुलिस को तहरीर दी थी कि उनकी दुकान से करीब 90 मोबाइल फोन चोरी हो गए हैं। मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने इस वारदात में शामिल कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जबकि हारुन कुरैशी फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस उपयुक्त ग्रामीण गाजियाबाद ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।
इस बीच 8 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि इनामी बदमाश दिल्ली से गढ़ी की ओर जाने वाले रास्ते पर दिखाई देगा। थाना मोदीनगर पुलिस और स्वाट टीम ने

संयुक्त कार्रवाई कर घेराबंदी की और हारुन को दबोच लिया।
गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों के साथ गोविंदपुरी क्षेत्र की दुकान से चोरी की थी। वारदात में शामिल उसके अन्य साथी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। बरामद मोबाइल फोन उसी चोरी से जुड़ा हुआ है। वहीं बरामद मोटरसाइकिल उसने करीब दो महीने पहले मोदीनगर क्षेत्र से चोरी की थी, जिसे बेचने की फिराक में था।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हारुन कुरैशी के खिलाफ थाना मोदीनगर में चोरी के दो मुकदमे दर्ज हैं। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इनामी बदमाश की गिरफ्तारी क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के लिए बड़ा संदेश है और इससे आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

ट्रंप के टैरिफ और विदेशी सामान के विरोध में कविनगर में सभा आयोजित

गाजियाबाद करंट क्राइम। सोशल चौकीदार ट्रस्ट द्वारा 7 सितंबर को कविनगर रामलीला मैदान में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ (50% तक) और विदेशी सामान के आयात के विरोध में जनजागरूकता फैलाना था।
सभा के बाद रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने अमेरिका और अमेरिकी सामान के बहिष्कार का आह्वान किया। साथ ही चीन और तुर्की से आने वाले आयातित माल का भी विरोध जताया गया। वक्ताओं ने कहा कि चीन ने पाकिस्तान का साथ देते हुए भारत के खिलाफ परोक्ष युद्ध लड़ा है, इसलिए चीन से आयात किए गए सामान का भी बहिष्कार करना आवश्यक है।

विदेशी सामान छोड़ो, देशी उद्योग को मजबूत करो : ललित जायसवाल

करंट क्राइम। ललित जायसवाल ने कहा कि विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार सिर्फ नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली में उतारना होगा। उन्होंने कहा कि जब हम भारतीय उद्योग और कारीगरों को समर्थन देंगे तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा। हर भारतीय को यह ठानना होगा कि घर में केवल स्वदेशी उत्पाद ही आएं। यही सही मायनों में देशभक्ति है।

त्योहारों पर चीन का सामान न खरीदें : केके शर्मा

करंट क्राइम। संस्था के अध्यक्ष केके शर्मा ने कहा कि त्योहारों का सीजन करीब है और ऐसे समय में विदेशी सामान, विशेषकर चीन का माल, भारत में न बिके। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियाँ तक चीन से खरीदी जा रही हैं, जो हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। दीपावली पर गिफ्ट आइटम का अधिकांश हिस्सा चीन से आता है, जबकि हमें 'मेड इन इंडिया' सामान अपनाना चाहिए।

उन्होंने व्यापार मंडलों से भी अपील की कि वे अपने लाभ के लिए विदेशी सामान न बेचें, क्योंकि यह राष्ट्रहित के खिलाफ है। केके शर्मा ने कहा चीन एक ओर अपना सामान भारत में बेचता है और दूसरी ओर पाकिस्तान को हथियार देता है। हमें इसे समझना होगा।

सभा से उठे प्रमुख संकल्प

विदेशी आयातित सामान का बहिष्कार करें
केवल 'मेड इन इंडिया' सामान खरीदें
भारत को आत्मनिर्भर बनाएं

भारतीय कंपनियाँ अपने सामान पर स्पष्ट रूप से 'मेड इन इंडिया' लिखें
इस अवसर पर वीके अग्रवाल, बीडी शर्मा समेत अनेक लोगों ने सोशल चौकीदार ट्रस्ट का समर्थन किया। कार्यक्रम में विवेक मित्तल, बालकिशन, बल्लू भैया, कृष्ण त्यागी ने भी अपने विचार रखे। हालांकि वर्षा होने के कारण रैली को स्थगित करना पड़ा।
संस्था के उपाध्यक्ष उदित गर्ग, महामंत्री नेहा शर्मा, पदाधिकारी ललित त्यागी, दिनेश शर्मा, आधार शर्मा, आदित्य दीक्षित, बालेंद्र उपाध्याय, राजा त्यागी आदि ने भी विदेशी सामान के बहिष्कार पर जोर देते हुए नागरिकों से स्वदेशी को अपनाने की अपील की।

'सात सरफिरे गिरफ्तार'

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। थाना सिहानी गेट क्षेत्र में पुलिस से दबंगई का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ युवकों की हरकतों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ युवक एक चाप की दुकान पर न केवल झगड़ा कर रहे हैं, बल्कि मौके पर पहुंची पुलिस से भी बदतमीजी और धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं।
जानकारी के मुताबिक, रविवार देर शाम कुछ युवक दुकान पर पहुंचे और किसी बात को लेकर दुकानदार से कहासुनी करने लगे। धीरे-धीरे मामला इतना बढ़ गया कि कहासुनी मारपीट में बदल गई। दुकानदार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो युवकों ने शांत होने के बजाय पुलिस के साथ भी अभद्रता कर दी। यह पूरा घटनाक्रम वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

एसएचओ सचिन कुमार का कहना है कि इस घटना में शामिल सात युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

नगर निगम के गृह कर वृद्धि के विरोध में आज कविनगर से निकलेगी शांतिपूर्ण रैली

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा गृह कर (हाउस टैक्स) में की गई अप्रत्याशित वृद्धि के विरोध में आज कविनगर में एक शांतिपूर्ण रैली आयोजित की जाएगी।
यह रैली प्रातः 10 बजे कविनगर रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर नगर निगम कविनगर जोनल कार्यालय तक जाएगी। रैली में शामिल सभी लोग काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे तथा नगर निगम को ज्ञापन भी सौंपेंगे।

आयोजकों ने भवन स्वामियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होकर इस विरोध को सफल बनाएं। उनका कहना है कि यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि गाजियाबाद की संपूर्ण जनता की है। संगठन में ही शक्ति है और सामूहिक आवाज ही बदलाव ला सकती है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज जाने माने प्रतिष्ठित कर अधिवक्ता काजी अदनान अहमद का जन्मदिन है। यह जन्मदिन उनके लिए कुछ खास है क्योंकि इस हैप्पी वाले बर्थडे में कुछ स्पेशल दुआएं लेकर उनकी शरीक ए हयात उनके साथ है। टैक्स एडवोकेट काजी अदनान अहमद के जन्मदिन पर उनके सभी परिजनों शुभचिंतकों समर्थकों और मित्रों ने भी उन्हें उनके उत्तम स्वस्थ यशस्वी जीवन और लंबी आयु की कामना करते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। जन्मदिन की खुशियों को , उल्लास को खुद में समेटे यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

गाजियाबाद में छात्राओं को बताए गए कानूनी अधिकार और योजनाएँ

गाजियाबाद करंट क्राइम। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा 'संकल्प-हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन' योजना के तहत 10 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 8 सितंबर को लाल चंद जूनियर हाई स्कूल गाजियाबाद में छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।
कार्यक्रम में बालिकाओं को पॉक्सो अधिनियम (बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा) के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की गई, ताकि छात्राएँ सही जानकारी के साथ सुरक्षित जीवन जी सकें और अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकें। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल अमन पाल सिंह, स्कूल के शिक्षक, मनीषा (जेंडर स्पेशलिस्ट, एचईडब्लू) और विचित्र वीर सिंह (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजियाबाद) मौजूद रहे।

छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सरशिप योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा विभिन्न हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए गए—

- 181 सखी-वन स्टॉप सेंटर
- 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन
- 1090 वीमेन पावर लाइन
- 112 पुलिस हेल्पलाइन
- 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
- 102 एंबुलेंस सेवा

जानकारी बॉक्स: पॉक्सो अधिनियम क्या है?

- पॉक्सो (ढडउरड) अधिनियम 2012 बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया कानून है।
- इस अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चे कानूनन बालक/बालिका माने जाते हैं।
- अपराध की किसी भी जानकारी पर पुलिस को तुरंत मामला दर्ज करना अनिवार्य है।
- अपराधी को कठोर सजा और पीड़ित को त्वरित न्याय सुनिश्चित करने का प्रावधान है।
- बच्चे की पहचान गुप्त रखना और उसे सुरक्षित माहौल देना इस कानून की विशेषता है।

जुबान संभाल के

लाल किले वाले कलश के तार और पुलिस आ गई चौपला बाजार

लाल किले वाले कलश का तो पता नहीं लेकिन सुना है कि कलश की तलाश में दिल्ली पुलिस सोमवार को सुबह 5 बजे चौपला बाजार आ गई। पुलिस ने यहां उस सुनार के घर पर दस्तक दी जिसकी दुकान चौपला बाजार और मकान दिल्ली गेट पर है। इनकी क्वालिटी ये है कि कभी इनके यहां स्वैटर और कैप का काम बहुत जोर से चलता था। हालांकि पर्चे पर तो ये लिखा गया कि दिल्ली पुलिस के एसआई क्राइम ब्रांच वाले चौधरी साहब आये और उन्होंने गुप्ता जी और गर्ग जी की गवाही में तलाशी ली और छत्ता मौहल्ला दिल्ली गेट वालों के यहां से कोई रिकवरी नहीं हुई। जिस वर्मा मुल्जिम को लेकर आये थे। उसके बताये पते पर गोयल जी तो मिले लेकिन तलाशी में वो प्रोपर्टी नहीं मिली जिसे केस प्रोपर्टी कहते हैं। पर्चा भले ही ये हो लेकिन पूरे बाजार में चर्चा ये है कि डेढ करोड वाला कशल डेढ लाख में खरीदा गया है और कलश ने खुद बताया है कि मैं यहां रखा हूं। बाजार वाले बता रहे हैं कि सीन में ज्वैलर वाले व्यापार मंडल के नेता जी भी शामिल हैं। नेता जी ऐसे मैटर के बड़े सैटर बताये जाते हैं और सुना है कि पूरा मामला जब सैटल हुआ है तो उस सैटल नामे पर व्यापारी नेता के भी हस्ताक्षर हैं। पूरे दिन बाजार में चर्चा चलती रही और कहने वाले ने कह भी दिया कि इतनी सुबह सवेरे पुलिस ऐसे ही तो नहीं आई है। दिल्ली के चाणक्यपुरी से पुलिस अगर गाजियाबाद के दिल्ली गेट तक आ गई है तो कहानी में कुछ तो है। फिलहाल मामला सैटल हो गया बताया जाता है।

वार्ड का है फसाना पूर्व पार्षद ने कहा कोई समस्या हो तो मुझे ही बताना

वैसे तो इन दोनों ही वार्डों में कमल खिला है और यहां चहल पहल पूरी रहती है। एक वार्ड ऐसा है जहां लाईट को लेकर फाईट रहती है। मंडल प्रधान ने अभी से पार्षद चुनाव लडने का प्लान बना लिया है। जिन्हें टिकट नहीं मिला और जो पूर्व हो गये, वो अभी भी पार्षदी के ख्वाब से बाहर नहीं आ रहे हैं। कमाल ये है कि जो महिला यहां चुनाव जीती है उसकी तो शक्ल भी कालोनी वाले देखने को तरस गये हैं। अब मौहल्ले वाले बताते हैं कि अजी हम तो इस पूर्व पार्षद से परेशान हो गये हैं। पहले उसने घूम-घूम कर पूरी कालोनी में कहा कि निगम वाली बडी मैडम ने मुझे ही वार्ड की जिम्मेदारी दी है। सुना है कि अब पूर्व पार्षद ने एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया। उस ग्रुप पर उन्होंने लिखा कि यदि कोई समस्या हो तो मुझे ही बताना। अब पूर्व पार्षद को कौन बताये कि पहली बात तो यहां जनता ने उन्हें जिताया जिनका टिकट निगम वाली बड़ी वाली मैडम ने कराया। दूसरी बात ये कि यहां समस्या सुनने के लिए मंडल वाले प्रधान बैठे हैं। पूर्व पार्षद महान बैठे हैं और सबसे बड़ी बात ये कि मैडम दूसरे मौहल्ले वाले कई दावेदार तुम्हारे मौहल्ले में ही ध्यान लगाये बैठे थे।

लो जी गायब हो गया कार्ड से थियेटर वाली मैडम का फोटो और नाम

वैसे तो इस बात की सर्च चल रही है कि सबसे पुरानी रामलीला में थियेटर वाली मैडम का वो कौन सा पदाधिकारी है जिसकी मेहरबानी लगातार जारी है। राम से लगाव सुना है, सीता से लगाव के भी चर्चे है। मगर यहां तो कमाल हो गया कि निमंत्रण वाले पर्चे पर भी थियेटर वाली मैडम का फोटो आ गया। जिनके पास पहले वाले निमंत्रण पत्र की फोटो है उनके पास स्क्रीनशॉट भी है। जुबान पर जब ये बात आई तो घमासान राम वालो में भी मचा। सुना है किसी ने मेहरबान पदाधिकारी को समझाया और फिर थियेटर वाली मैडम का फोटो हटवाया। अब बताते हैं कि मैडम के स्थान पर प्रभु श्रीराम का फोटो आ गया है।

यरुशलम में फलस्तीनी हमलावरों ने बस पर चलाईं अंधाधुंध गोलियां, छह की मौत, कई अन्य घायल

काठमांडू । काठमांडू से नेपालगंज तक फैला युवाओं का आक्रोश, प्रदर्शनकारियों ने बताया क्यों और कैसे शुरू हुई हिंसा काठमांडू में सोमवार को संसद के बाहर उस समय हालात बिगड़ गए जब सरकार द्वारा फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करा रहे थे, लेकिन पुलिस ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह कदम न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है बल्कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को दबाने की कोशिश भी है। प्रदर्शनकारियों ने शुरूआत में शांतिपूर्ण मार्च का आयोजन किया था। वे सोशल मीडिया बहाली और भ्रष्टाचार विरोधी नारे लगा रहे थे।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करा रहे थे, लेकिन पुलिस ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह कदम न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है बल्कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को दबाने की कोशिश भी है

लेकिन जैसे ही भीड़ संसद भवन के करीब पहुंची, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि पुलिस ने नजदीक से गोलियां चलाईं, जिसमें उनके साथी को हाथ और सिर में गोली लगी। पुलिस कार्रवाई और बढ़ता तनाव नेपाल पुलिस ने पुष्टि की कि अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हुए हैं। पुलिस ने संसद गेट पर भीड़ को रोकने के लिए गोलीबारी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। भीड़ ने गेट को नुकसान पहुंचाया और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला दहन किया। सोशल मीडिया बैन से नाराजगी नेपाल सरकार ने चार सितंबर से उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया है जो सरकार के साथ पंजीकृत नहीं हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन माध्यमों से फर्जी आईडी, नफरत फैलाने वाली पोस्ट, धोखाधड़ी और फर्जी खबरों का प्रसार हो रहा था। जनता इसे सेंसरशिप और सरकार की तानाशाही मान रही है।

प्रदर्शन का दायरा बढ़ा विरोध केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहा। झापा, पोखरा, बुटवल, चितवन, नेपालगंज और बिराटनगर में भी युवाओं ने प्रदर्शन किए। जगह-जगह मोटरसाइकिलें जलाई गईं, नगर निगम कार्यालयों के गेट तोड़े गए और सड़कों पर सरकार विरोधी नारे लगे। मीडिया और आम जनता की प्रतिक्रिया स्थानीय मीडिया ने हालात को बेहद गंभीर बताया है।

ऑस्ट्रेलिया की 'मशरूम किलर' को उम्रकैद की सजा, पूरी दुनिया में चर्चित हुआ ये मामला

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया की मशरूम किलर को वहां की एक अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा के तहत दोषी महिला को 33 साल बाद ही जमानत मिल सकेगी। ऑस्ट्रेलिया के इस मामले पर पूरी दुनिया की नजर थी क्योंकि जिस तरीके से दोषी महिला एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता की हत्या की थी, उसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था।

दरअसल एरिन पैटर्सन ने अपने पूर्व पति के माता-पिता समेत तीन लोगों को जहरीली मशरूम खिलाकर मार डाला था। 50 वर्षीय पैटर्सन को जुलाई में हत्या का दोषी करार दिया गया था और अब सोमवार को अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। एरिन ने साल 2023 में अपने पूर्व पति के माता-पिता और अंकल-आंटी को अपने घर खाने पर बुलाया था। इस दौरान एरिन ने खाने में जहरीली मशरूम मिला दी, जिसे खाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पूरी दुनिया में यह मामला मशरूम मर्डर के नाम से चर्चित हुआ। अभी तक इन हत्याओं के पीछे की वजह पता नहीं है।

33 साल बाद मिल सकेगी एरिन को जमानत

एरिन का दावा है कि उसने अनजाने में खाने में जहरीली मशरूम मिला दी थी। हालांकि अदालत ने उसके दावे को नहीं माना। जिस वक्त महिला ने अपने पूर्व पति के परिवारवालों को जहरीली मशरूम खिलाकर मारा, उस वक्त उसका अपने पति से झगड़ा चल रहा था और बच्चों के खर्च को लेकर दोनों के बीच विवाद था। अदालत के आदेश के तहत 33 साल बाद ही एरिन को जमानत मिल सकेगी और उस वक्त वह करीब 83 साल की हो जाएगी। इस तरह एरिन की बाकी जिंदगी अब जेल में ही गुजरेगी। हालांकि अभी एरिन के पास सजा के खिलाफ अपील के लिए 28 दिन का समय बाकी है।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर सख्ती सही भारत पर ट्रंप के मनमाने टैरिफ को जेलेंस्की का समर्थन

कीव । 6 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर युद्ध का अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस से व्यापार जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ और अन्य सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की से पूछा गया कि चीन में पीएम नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात को लेकर उनका क्या कहना है और क्या उन्हें लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर टैरिफ लगाने की योजना उलटी पड़ सकती है? इस पर जेलेंस्की ने कहा, 'रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है।'

'रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए ठोस कदम जरूरी' जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट करते हुए कहा कि रूस की आक्रामकता को रोकने के लिए केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस कदम जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'रूस और उससे जुड़े व्यक्तियों पर सख्त प्रतिबंध, टैरिफ और व्यापार पर रोक लगनी चाहिए। रूस को आर्थिक रूप से नुकसान महसूस होना चाहिए, तभी दुनिया को असली नतीजे दिखाई देंगे।'

इसी बीच रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 800 से ज्यादा ड्रोन और 13 मिसाइलें दागी गईं, जिनमें 4 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं। इसके कारण राजधानी कीव में 11 घंटे तक लगातार एयर-रेड सायरन बजते रहे। वहीं इस हमले में कई आवासीय इमारतों पर ड्रोन हमले हुए, जिनमें एक बच्चे समेत कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, कैबिनेट ऑफ मिनिस्टर्स की इमारत पर हमला हुआ, जिससे ऊपरी मंजिलों पर भीषण आग लग गई। शुरूआती रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ ड्रोन बेलारूस की दिशा से यूक्रेन में दाखिल हुए।

इस हमले के बाद जेलेंस्की ने कहा कि बचाव दल लगातार राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह हमला दिखाता है कि पुतिन दुनिया की सहनशीलता को परख रहे हैं।

जेलों में भुखमरी पर इस्राइली सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, सरकार बोली- न्यूनतम सुविधाएं ही मिलेंगी

तेल अवीव । पश्चिम एशिया में बीते 23 माह से अधिक समय से हिंसक संघर्ष हो रहा है। गाजा पट्टी में रहने वाले लोग भुखमरी और अभूतपूर्व मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। भारी गोलाबारी के बीच फलस्तीनी जनता तक राहत सामग्री पहुंचाने में भी चुनौतियां सामने आ रही हैं।

ताजा घटनाक्रम में इस्राइल की सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक अहम फैसले में कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि देश की सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को 'जीवन-निर्वाह करने के लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया।' कोर्ट ने पोषण की स्थिति में तत्काल सुधार लाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लगभग दो साल से चल रहे युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली में दुर्लभ हस्तक्षेप की तरह देखा जा रहा है।

बीते 23 महीनों में इस्राइल ने हजारों लोगों को हिरासत में लिया बता दें कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से बीते 23 महीनों के दौरान इस्राइल ने हजारों लोगों को हिरासत में लिया है। कई लोगों को बिना आरोप महीनों बाद रिहा किया गया। हालांकि, मानवीय संकट को देखते हुए मानवाधिकार संगठनों ने जेलों में भोजन की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, गंदगी और मारपीट की घटनाओं को रेखांकित करते हुए कोर्ट का रुख किया। इसी साल मार्च में एक 17 वर्षीय फलस्तीनी किशोर की जेल में मौत की खबर आने के बाद डॉक्टरों ने 'भूख और कुपोषण' मौत का प्रमुख कारण बताया था। हमास के आतंकियों का बचाव कर रही अदालतः बेन-ग्वीर इस मामले के सामने आने के बाद इस्राइली नागरिक अधिकार संघ (अउफक्क) और गीशा संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसपर सख्ती दिखाते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार ने पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया। कोर्ट ने माना कि कैदियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा और जेल प्रशासन को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने का आदेश दिया। हालांकि, देश के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बेन-ग्वीर ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि अदालत 'हमास आतंकियों का बचाव कर रही है।' उन्होंने कहा कि बंदियों को जेल में न्यूनतम सुविधाएं ही मिलेंगी। दूसरी तरफ अउफक्कने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को तुरंत लागू करने की मांग की है।

अमेरिकी लोगों को प्रशिक्षित करें हुंडई प्लांट पर हुई छापेमारी और विवाद के बीच ट्रंप का नया शिगूफा

वॉशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को विदेशी कंपनियों को चेतावनी दी कि उन्हें अमेरिकी कानून का पालन करना चाहिए। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में बन रहे हुंडई-एलजी बैटरी प्लांट में लगभग 300 कथित रूप से अवैध दक्षिण कोरियाई कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप का यह बयान सामने आया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि 'कृपया हमारे देश के आव्रजन कानूनों का सम्मान करें। आपके निवेश का स्वागत है और हम कानूनी रूप से बुद्धिमान लोगों को अमेरिका लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, लेकिन बदले में हम भी आपसे चाहते हैं कि आप अमेरिकी कर्मचारियों की नियुक्ति करें और उन्हें प्रशिक्षित करें।'

जॉर्जिया में दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई और एलजी के प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। जहां शुक्रवार को अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने 475 लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें से अधिकतर दक्षिण कोरियाई कर्मचारी थे, जो कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका में रहकर प्लांट में काम कर रहे थे। अप्रवासन विभाग ने जब कथित अवैध कर्मचारियों को हिरासत में लिया तो एक फुटेज में दिख रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों को हथकड़ी और पैरों में जंजीरों से बांधकर बस में चढ़ाया जा रहा है। इसे लेकर दक्षिण कोरिया की सरकार ने नाराजगी जताई है। दक्षिण कोरिया में घटना को लेकर नाराजगी कंपनी की तरफ से कहा गया है कि उसके 47 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 46 दक्षिण कोरियाई और एक इंडोनेशियाई नागरिक है। कंपनी ने यह भी कहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से करीब 250 लोग ठेकेदार के कर्मचारी थे, जो दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। दक्षिण कोरिया, अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। हाल ही में राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने अमेरिका का दौरा कर और 350 अरब डॉलर के निवेश का एलान किया। हालांकि अमेरिकी आव्रजन विभाग की कार्रवाई को लेकर दक्षिण कोरिया के लोगों में नाराजगी है।

पाकिस्तान में मंत्रियों समेत हजारों लोगों का डेटा लीक, संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन बिक रही

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में केंद्रीय मंत्रियों समेत हजारों लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया है। लीक हुआ डेटा ऑनलाइन बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री के लिए जो डेटा उपलब्ध है, उसमें मोबाइल सिम, कॉल लॉग, राष्ट्रीय पहचान पत्र और विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल है। जिन लोगों के डेटा लीक हुए हैं, उनमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टियों के प्रवक्ता शामिल हैं।

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री के लिए जो डेटा उपलब्ध है, उसमें मोबाइल सिम, कॉल लॉग, राष्ट्रीय पहचान पत्र और विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल है। जिन लोगों के डेटा लीक हुए हैं, उनमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टियों के प्रवक्ता शामिल हैं

ऑनलाइन बिक रहा संवेदनशील डेटा

पाकिस्तान में डेटा लीक की घटनाएं पूर्व में भी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यहां तक कि जिन वेबसाइट्स से डेटा लीक होने की शिकायत हुई, उनके खिलाफ भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल लोकेशन का डेटा सिर्फ 500 रुपये में ऑनलाइन बिक रहा है। वहीं मोबाइल रिकॉर्ड का डेटा 2000 रुपये और विदेश दौरों की जानकारी पांच हजार रुपये में मिल रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जिन लोगों का डेटा लीक हुआ है, उनका उत्पीड़न किया जा सकता है।

पाकिस्तान सरकार ने दिए जांच के आदेश

डेटा लीक को लेकर पाकिस्तान की आम जनता में भारी नाराजगी है। लोगों की मांग है कि डेटा लीक के लिए लोगों की जवाबदेही तय की जाए और ये पता लगाया जाए कि इस डेटा लीक के पीछे कौन है। पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच के लिए 14 सदस्यीय टीम गठित की गई है।

तूफान 'तपाह' से चीन में तबाही: 110 किमी की रफ्तार से चली हवा, 100 उड़ानें प्रभावित, 60000 लोगों को निकाला गया

गुआंगडोग । चीन में उष्णकटिबंधीय तूफान तपाह ने दस्तक दे दी है। जिसके कारण सरकार ने अलर्ट जारी कर दिया है। उष्णकटिबंधीय तूफान ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8:50 बजे गुआंगडोंग के ताईशान शहर के तटीय क्षेत्र में टकराया। इसके परिणामस्वरूप शहर के आर्थिक केंद्र के पास अधिकतम निरंतर हवाएं 30 मीटर (98 फीट) प्रति सेकंड तक पहुंच गई थीं।

हांगकांग ने भी जारी किया अलर्ट

वहीं, हांगकांग की वेधशाला ने रविवार को ही इस तूफान को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था। वेधशाला ने रविवार रात को तूफान से अलर्ट के लिए आठ नंबर सिग्नल जारी किया था। वेधशाला ने अलर्ट में बताया था कि सुबह 9 बजे तपाह के केंद्र के पास लगभग 68 मील (110 किमी) प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार हवाएं चल रही हैं। बंद कर दिए गए हैं स्कूल-कॉलेज, उड़ानें भी प्रभावित तपाह की दस्तक से सबसे ज्यादा प्रभावित दक्षिणी चीन का गुआंगडोंग प्रांत हुआ है। जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिए गए हैं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, हांगकांग के निकट गुआंगडोंग प्रांत के आर्थिक केंद्र ने तूफान से पहले ही कई रेल और नौका सेवाओं को रोक दिया था। रविवार दोपहर तक पूरे क्षेत्र से लगभग 60,000 लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। यहां लगभग 100 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी का भी सामना करना पड़ा। इस दौरान कई यात्री हवाईअड्डे पर कुर्सियों पर रात गुजारते दिखे। वहीं, बीजिंग से आ रहा एक एचके एक्सप्रेस की एक फ्लाइट लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गई, हालांकि इस हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं आई।

फलस्तीन को मान्यता देकर भारी गलती कर रहे कई देश, इस्राइल की चेतावनी- इससे शांति नहीं आएगी

तेल अवीव । इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हाल के समय में कई देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने के एलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इस्राइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल अवीव में डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गिदोन सार ने कहा कि फलस्तीन को इस तरह से मान्यता देने से शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा और यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा। 'फलस्तीन को एकतरफा मान्यता देकर गलती कर रहे देश' गिदोन सार ने कहा 'फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देश कथित फलस्तीनी देश को मान्यता देने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन ये एक भारी गलती है। अगर आप राज्य की मान्यता को शांति से अलग करके देखेंगे तो आप शांति स्थापित करने की कोशिशों को और मुश्किल ही बनाएंगे।' उल्लेखनीय है कि फ्रांस समेत कई देशों ने आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में फलस्तीन को मान्यता देने का एलान किया है। इस्राइल द्वारा गाजा में की जा रही कार्रवाई के विरोध में यूरोपीय देशों ने यह फैसला किया है। इस्राइली विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी शांति समझौता द्विपक्षीय ढांचे के तहत किया जाना चाहिए और अभी तक फलस्तीन को जो भी कुछ मिला है, वह द्विपक्षीय बातचीत से ही संभव हुआ है। सार ने कहा कि फलस्तीन को एकतरफा तरीके से देश की मान्यता देना हमास को तोहफा देने जैसा है। हमास ने ही 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमला कर 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था और 252 लोगों को बंधक बना लिया था। इनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। इस हमले के बाद ही इस्राइल ने गाजा में हमले शुरू किए, जो अब तक जारी हैं। पश्चिमी देशों को इस्राइल ने किया सावधान गिदोन सार ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एकतरफा तरीके से फलस्तीन को मान्यता दी गई तो इससे क्षेत्र में अशांति और अस्थिरता फैलेगी। साथ ही इससे इस्राइल भी अपनी मर्जी से कदम उठाने को मजबूर होगा और यह पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए भारी गलती होगी। इस्राइल की सरकार ने यूरोपीय देशों से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की। फ्रांस के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया ने भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने का एलान किया है।

सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है: मानवेंद्र सिंह चौहान

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा गोल्डन व्यू रिसोर्ट, राजनगर एक्सटेंशन में आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यशाला में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला-महानगर प्रभारी मानवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से लेकर 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा कार्य पहुँचाना है।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद महानगर में कार्यकर्ता रक्तदान, स्वच्छता, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य परीक्षण, खादी एवं स्वदेशी वस्त्रों के प्रचार जैसे अभियानों को सफल बनाकर सेवा और समर्पण की भावना को साकार करेंगे। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, नमो मैराथन, दिव्यांग उपकरण वितरण, चित्रकला प्रतियोगिता और वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला में मंडल अध्यक्षों, मोर्चा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा बताई गई। कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल, एमएलसी दिनेश गोयल, विधायक संजीव शर्मा, पूर्व महापौर आशु वर्मा, आशा शर्मा, विजय मोहन, मानसिंह गोस्वामी समेत अनेक जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बॉबी त्यागी ने किया और समापन क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी ने आभार ज्ञापन के साथ किया।

भाजपा नेता नीरज सिंह ने विंध्यवासिनी कुमार के स्वास्थ्य की जानकारी ली

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा नेता और यूथ आइकॉन नीरज सिंह ने पूर्व नेता विधान परिषद एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजपा विंध्यवासिनी कुमार के आवास पर पहुँचकर उनके स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर नीरज सिंह ने विंध्यवासिनी कुमार के स्वास्थ्य की कुशलक्षेम पूछी और परिवार से आत्मीय भेंट भी की।

जीएसटी संशोधन से होगा देश का विकास उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा : विनीत शर्मा

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व मंडल अध्यक्ष राजनगर भाजपा विनीत शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा जो जीएसटी में बदलाव किया गया है वह ऐतिहासिक है। खाने-पीने से लेकर आम जरूरत की वस्तुओं की कीमतें घटेंगी जिससे देश की जनता को उसका लाभ पहुंचेगा। जीएसटी बदलाव में जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर टैक्स फ्री किया गया है जिससे कि आम नागरिकों को जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा करने में आसानी होगी। लिखाई पढ़ाई की वस्तुओं पर जीएसटी को खत्म किया गया है जिससे पढ़ने वाले छात्रों के गार्जियन को काफी राहत मिलेगी। मोदी सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। देश की जनता यह स्वीकार कर रही है कि मोदी सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा और देश के नागरिक सशक्त बनेंगे।

जीएसटी संशोधन देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सक्षम होगा: यशपाल पहलवान

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम पार्षद यशपाल पहलवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा जीएसटी संशोधन किया गया है। इस जीएसटी संशोधन से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और देश की जनता को इससे काफी राहत पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में इसका लाभ सभी वर्गों को होगा। छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा एवं मध्यमवर्गीय परिवार को जीवन यापन करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। महंगाई पर अंकुश लगेगा। देश की इकोनॉमी बढ़ेगी और हमारा देश भारत विश्व में अग्रसर होगा। जीएसटी में बदलाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम जनता का ध्यान रखते हुए लिया है।

स्वदेशी जन जागरण अभियान के अंतर्गत भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने विजयनगर चौराहे पर किया हस्ताक्षर अभियान आयोजित

गाज़ियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ महानगर गाजियाबाद द्वारा स्वदेशी जन जागरण अभियान की श्रृंखला में दिनांक 8 अगस्त 2025 को विजयनगर चौराहे पर एक भव्य हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों एवं व्यापारी वर्ग में स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विदेशी वस्तुओं की जगह भारतीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना रहा। अभियान में भारी संख्या में व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने स्वेच्छा से भाग लिया और हस्ताक्षर कर इस अभियान को समर्थन दिया।

पूरे आयोजन स्थल पर उत्साहपूर्ण माहौल रहा। हस्ताक्षर करने वालों में युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिक तक शामिल रहे, जिससे यह साफ झलकता है कि देश की जनता अब स्वदेशी विचारधारा को आत्मसात करने के लिए तत्पर है।

इस अवसर पर विशेष तौर पर व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा महानगर गाजियाबाद के संयोजक अनुज मित्तल, सहसंयोजक अनिल अग्रवाल साँवरिया, मंडल संयोजक विवेक अग्रवाल, बाजार संयोजक कपिल कुमार गर्ग, दीपक बंसल, अनुपम सारस्वत, विनोद वर्मा, दिनकर गर्ग, प्रवीन जिंदल, राजकुमार अग्रवाल, अतुल गुप्ता, लेखराज माहौर, संजीव बालनवाल, करण कुमार, आंचल ज्वेलर्स, गजे सिंह, अशोक कुमार, लक्ष्मी नारायण सिंगल, सोनू सिंगला, अग्रवाल रेडीमेड सहित अन्य प्रमुख व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने इस मौके पर एक स्वर में संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करेंगे बल्कि उपभोक्ताओं को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

स्वदेशी होना आत्म भारत की नींव है : अनिल साँवरिया

करंट क्राइम। सहसंयोजक अनिल अग्रवाल साँवरिया ने कहा कि स्वदेशी केवल एक अभियान नहीं, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की नींव है। यदि हम भारतीय उत्पादों को अपनाते हैं तो इससे न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि हमारे स्थानीय कारीगरों, किसानों और उद्योगों को भी संबल मिलेगा। यह हर नागरिक का दायित्व है कि वह स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाए और आने वाली पीढ़ियों के लिए आत्मगौरव का संदेश छोड़े।

पंजाब बाढ़ आपदा: चौधरी जयंत सिंह को सौंपा गया 2.51 लाख का चेक, रालोद परिवार पीड़ितों के साथ

नई दिल्ली (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह को आज 25 तुगलक रोड स्थित उनके आवास पर पंजाब में आई बाढ़ आपदा से प्रभावित परिवारों की सहायता हेतु 2,51,000 का चेक सौंपा गया।

यह सहयोग सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं चेयरमैन अमरजीत सिंह बिट्टी ने अपने गन्ने के पेमेंट से दिया। इस अवसर पर गाजियाबाद से देवेंद्र पतला, योगेंद्र पतला सहित रालोद के कई नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, सांसद चंदन चौहान, नेता सदन राज्यपाल बालियान, विधायक अशरफ अली खान, विधायक प्रसन्न चौधरी, विधायक मिथिलेश पाल, विधायक अजय कुमार, विधायक गुलाम मोहम्मद, एमएलसी योगेश नौवार, विधायक मदन भैया, पूर्व विधायक नूर सलीम राणा, पूर्व विधायक राव वारिस, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, वरिष्ठ नेता सुनील रोहटा, पीतम प्रमुख, प्रतीक भरंगर, प्रदेश सचिव विजय कौशिक, वरिष्ठ नेता विश्वास समेत अनेक जिम्मेदार कार्यकर्ता इस मौके पर उपस्थित रहे।

नेताओं ने कहा कि यह योगदान केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि एकजुटता और संवेदनशीलता का प्रतीक है। इस कठिन घड़ी में राष्ट्रीय लोकदल परिवार पंजाब बाढ़ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और आगे भी राहत व पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

पिता के संस्कारों की छाया में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने श्राद्ध तिथि पर किया भंडारा

गाजियाबाद करंट क्राइम। जीवन में संस्कारों की जड़ों से ही कर्तव्य और धर्म का वृक्ष पल्लवित होता है। यही संदेश उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय पंडित जय भगवान शर्मा (सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, पतला इंटर कॉलेज) की श्राद्ध तिथि पर आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम के माध्यम से समाज को दिया।

सुनील शर्मा ने श्रद्धा के साथ अपने पिताजी को नमन करते हुए कहा कि मनुष्य की सफलता केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उन संस्कारों से तय होती है जो उसे माता-पिता से मिलते हैं। पिताजी की शिक्षा, अनुशासन और त्याग की भावना ही मेरे जीवन का आधार हैं। उनका आशीर्वाद आज भी मुझे सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक शामिल हुए। सभी ने प्रसाद ग्रहण कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। यह आयोजन केवल स्मरण का अवसर नहीं था, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि संतान का कर्तव्य केवल सेवा तक सीमित नहीं, बल्कि माता-पिता की शिक्षाओं को जीवन में उतारना ही सच्चा उत्तरदायित्व है।

श्राद्ध तिथि पर आयोजित यह भंडारा पिता के प्रति पुत्र के समर्पण का प्रतीक बना और समाज को यह एहसास दिलाया कि संस्कार ही सबसे बड़ी धरोहर हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ते और राष्ट्र की आत्मा को मजबूत करते हैं।

नेहरू नगर के श्रेय कुमार गर्ग का कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में चयन

गाजियाबाद करंट क्राइम। नेहरू नगर गाजियाबाद निवासी अधिवक्ता संजीव कुमार गर्ग के सुपुत्र श्रेय कुमार गर्ग का चयन विश्व की प्रतिष्ठित कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, यूके में एलएलएम कोर्स के आगामी सत्र (2025-26) के लिए हुआ है।

श्रेय को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन से भी प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ था, लेकिन उन्होंने एलएलएम के लिए कैंब्रिज यूनिवर्सिटी को चुना है। उनके पिता संजीव कुमार गर्ग दिल्ली-गाजियाबाद की अदालतों में प्रतिष्ठित वकील हैं, मां मीनाक्षी गर्ग गाजियाबाद के एक प्रसिद्ध स्कूल में गणित की वरिष्ठ शिक्षिका हैं तथा बहन प्रिया गर्ग नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में पीएचडी-लॉ की छात्रा हैं। श्रेय कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद से और एलएलबी की पढ़ाई जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली से पूरी की है। उल्लेखनीय है कि जामिया को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में लगातार शीर्ष 5 विश्वविद्यालयों में स्थान मिलता रहा है। श्रेय पूर्व सुप्रीम कोर्ट मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर फैजान मुस्तफा के साथ कार्य कर चुके हैं। उनके शोध लेख और कॉलम देश-विदेश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं व अखबारों में प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर मित्रों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि बृज वाले विहार से मिलाया किसी ने निगम वाले महकमे के मजबूत वाले स्तम्भ को फोन? निवेदन करने वाले की बड़ी सॉफ्ट थी टोन? मगर, उन्हें क्या पता था कि सामने से जवाब आएगा हम आपके हैं कौन? सामने से सुनाई दी बड़ी लाउड टोन? जल भराव की शिकायत करने वाले के तब हो गए पिस्टन फेल? जब सामने से आवाज आई कि तैयारी रखो हम तुम्हारी रैंप तुड़वाने के लिये जेसीबी भेज रहे हैं, ये सुनकर डाउन हो गई सामने वाले की टोन? सुना है, तब बुल्डोजर की बात सुनकर तब से स्विच ऑफ ही आ रहा है शिकायकर्ता का फोन?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बॉबी भैया हो जाएं सावधान? सुना है, दूसरे बॉबी भैया ने भी मुरादनगर सिफ्ट होने का बना लिया है प्रोग्राम? हमें पता चला है इन वाले बॉबी भैया की तरह वो वाले बॉबी भैया भी मुराद पूरी करने वाले विधायक के हैं बहुत खास? अगर वो हो गए इधर सिफ्ट हमें डर है कि ये वाले बॉबी भैया चाबी खोने वाले बॉबी भैया के हिस्से की काट लें ना कहीं घास? अगर इन बॉबी भैया के दिल में है राजनीति की चिंगारी तो उन वाले बॉबी भैया के सीने में सुलगती है राजनीति की आग?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि एक मंडल ने अध्यक्ष ने इस वक्त किया हुआ है एक विधायक जी को बहुत ज्यादा हैरान? सुना है, ये ठाकुर साहब कर ही नहीं रहे हैं कोई काम? हमें पता चला है विधायक जी ने इन मंडल अध्यक्ष को फोन करके दी है सक्रिय हो जाने की डोज? कहा है, तुम्हारी शिकायतें मिल रही हैं हमको रोज? कुछ तो करो पार्टी के लिये काम, क्यों सिस्टम को कर रहे हो इस तरह तमाम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि सुना है, विधायक जी की सुनने के बाद मंडल अध्यक्ष ने बदलना चाहा अपना पुराना वाला अंदाज? वो अपनी अरदास लेकर गए पॉलिटिकल रूप से ठंडे चल रहे फादर और उनके बेटे के पास? कहा- अपने क्षेत्र में आप कराओ कोई प्रोग्राम? कुछ तो करो जल्दी से कोई इंतजाम? सुना है, सामने से आई ये आवाज, आप तो पॉलिटिकल रूप से ठंडे हो चुके हो, हम तो खुद बर्फ की तरह जम चुके हैं, यहां आपके प्रयास नहीं फलेंगे साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जैसे ही पिटा पत्ता, वैसे ही गुरुजी ने छोड़ दी बाजी? हमने देखा, वो नदिया पार वालों के खेलने के अंदाज से नहीं थे राजी? पता चला है चौहान जी के आवास पर चल रहा था गेम? गुरुजी विजय को साथ लेकर भी जीत नहीं पाए? नदिया पार वालों ने शहर वालों के अरमान कुछ इस तरह ढहाए? पड़ गई यहां पर एस वाले सिंह की पारी भारी? देखना अब ये है कि गुरुजी कब करेंगे अगले पड़ाव की तैयारी?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा गढ़ के मेंबर त्यागी जी को है अधिकारी की मुखबरी करने वाले दो मेंबरों की जानकारी? नदिया पार के दो मेंबरों की लोकेशन का उन्होंने किया है इशारा? कहा है, ये दोनों ही मिलकर अधिकारी तक पहुंचाते हैं हम सब मेंबरों की बातें सारी? हमें रहना होगा इन दोनों से सावधान? जब घर का भेदी ही ढा रहा हो लंका, तो फिर स्थिति में बचना बहुत ही मुश्किल हो जाता है श्रीमान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें तो पहलवान और पहलवान के दोस्त का कभी-कभी अजीब सा लगता है अंदाज? कभी दोनों जय और वीरू वाला लुक देते हैं, कभी ऐसे करते हैं जैसे एक-दूसरे को जानते ही नहीं है साहब? मैं यूं ही नहीं दे रहा हूं आपको इस बात के सुबूत? मैं था मोनू भैया के फार्म हाउस में मानवेंद्र जी के दर्शन करने को मौजूद? दोनों दोस्तों के बीच में थी दस मीटर की दूरी? दस मिनट इस दूरी पर दोनों खड़े रहे मगर, एक-दूसरे से मिलना नहीं समझा दोनों ने जरूरी? उनकी इन दूरियों को देखकर चल रही थी हमारे सीने पर छुरी?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही भगवा कमांडर विधायक हो गए हों साहब? मगर, आज भी करने वाले करते हैं उनके कार्यकाल को याद? हमने देखा, मानवेंद्र जी ने जब दिया भाषण, तब निकाल लिया उन्होंने इतिहास? कहा- विधायक जी का कार्यकाल रहा था बहुत खास? उन्होंने किया था बहुत मेहनत से काम, इसलिये सफल हुए थे सभी आयाम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आप इस पैटर्न पर देना ध्यान, जो भी चेहरा भगवा योद्धा के कार्यक्रमों का माइक संभाल रहा है, देखना उस तक आएगा महामंत्री वाला काम? कुछ इस तरह काम को बहुत ही शिद्दत से बॉबी भैया दे रहे हैं अंजाम? देखना, धीरे-धीरे पक रहा है उनका महामंत्री बनने का प्लान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि फिर आ गया उनको कार्यक्रम में गुस्सा, ना जाने क्यों ये गुस्सा बन चुका है उनका हिस्सा? वो गुस्सा कर देते हैं तो फिर उसकी चर्चाएं होती हैं बाहर? कुछ इसी तरह के सुन रहा था मैं कार्यक्रम में कार्यकताओं के मुख से विचार? ज्यादा डीप में मैं नहीं बताऊंगा, क्योंकि मुझे पता है आप वैसे ही हैं बहुत समझदार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।